▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 301 ▸▸ मुंबई, बुधवार, 7 जनवरी 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

स्वास्थ्यः 'यूनिवर्सल हेल्थ कार्ड' और मोहल्ला क्लिनिक

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाते हुए कांग्रेस ने 'यूनिवर्सल हेल्थ कार्ड' देने का वादा किया है, जिससे नागरिकों को मुफ्त दवाएं मिल सकेंगी। इसके अलावा, दिल्ली की तर्ज पर मुंबई में मोहल्ला क्लिनिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का जाल बिछाया जाएगा।

शिक्षाः डिजिटल क्लासरूम और छात्रवृत्ति

बीएमसी स्कूलों की गिरती हालत को सुधारने के लिए कांग्रेस ने उन्हें 'डिजिटल क्लासरूम' में बदलने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने का वादा किया है। गरीब मेधावी छात्रों के लिए विशेष छात्रवृत्ति और स्कूलों में बेहतर पोषण योजना लागू की जाएगी।

महिलाओं की सुरक्षा और 'डे-केयर' सुविधाएं

महिलाओं के लिए सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन और प्रमुख सड़कों पर आधुनिक शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में 'डे-केयर सेंटर' और महिला स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के लिए विशेष वित्तीय सहायता दी जाएगी।

युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास

नगर निगम के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरने के साथ-साथ युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर 'कौशल विकास केंद्र' खोले जाएंगे। स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने के लिए बीएमसी स्तर पर कम ब्याज दर पर ऋण और तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी।

पारदर्शी प्रशासन और भ्रष्टाचार मुक्त बीएमसी

कांग्रेस ने बीएमसी के भारी-भरकम बजट में होने वाले कथित भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए सभी ठेकों और निविदाओं (Tenders) की ऑनलाइन ट्रैकिंग और समयबद्ध ऑडिट का वादा किया है। नागरिकों की शिकायतों के समाधान के लिए 'सिंगल विंडो' सिस्टम बनाया जाएगा।

किफायती घर, मोहल्ला क्लिनिक, स्वच्छ मुंबई...

जारी हुआ कांग्रेस का मेनिफेस्टो

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई बीएमसी चुनाव के लिए शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) के संयुक्त घोषणा पत्र में कई लोक लुभावन वादे किए गए हैं।अब कांग्रेस ने भी अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। इस घोषणापत्र में कांग्रेस ने मुंबई की बुनियादी समस्याओं परिवहन, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रदूषण और रोज़गार को केंद्र में रखा है। पार्टी का दावा है कि यह घोषणा पत्र "जनता पहले" की सोच पर आधारित है और मुंबई को फिर से रहने लायक शहर बनाने की दिशा में ठोस रोडमैप पेश करता है।

बस से लेकर पानी-हवा तक बदलने का वादा

स्वच्छ और सुरक्षित मुंबई

कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में मुंबई को कचरा-मुक्त बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और 'वेस्ट-टू-एनर्जी' परियोजनाओं पर जोर दिया है। पार्टी का वादा है कि वह शहर में सार्वजनिक शौचालयों की संख्या बढ़ाएगी और उनकी स्वच्छता का स्तर विश्वस्तरीय करेगी।

'हर घर जल' और 24 घंटे पानी की आपूर्ति

मुंबईकरों की सबसे पुरानी पानी की समस्या को हल करने के लिए कांग्रेस ने हर घर तक 24×7 स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का वादा किया है। इसके लिए पुराने पाइपलाइनों के आधुनिकीकरण और जल रिसाव (Leakage) रोकने के लिए स्मार्ट सेंसर लगाने की योजना प्रस्तावित है।

गड्ढा-मुक्त सड़कें और स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट

शहर की सड़कों को गड्ढा-मुक्त बनाने के लिए 'जेट पैचर' तकनीक और बेहतर कंक्रीटिंग का वादा किया गया है। साथ ही, ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए एक 'स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम' और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित फुटपाथों का निर्माण प्राथमिकता पर रहेगा।

आवास : किफायती घर और सुरक्षित पुनर्विकास

झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लाखों लोगों के लिए कांग्रेस ने 'सम्मानजनक आवास' का वादा किया है। पुनर्विकास परियोजनाओं में पारदर्शिता लाने और स्थानीय लोगों की सहमति को अनिवार्य बनाने के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिए किफायती हाउसिंग स्कीम शुरू करने का संकल्प लिया गया है।

पर्यावरण : प्रदूषण नियंत्रण और हरित मुंबई

मुंबई की बिगड़ती हवा को सुधारने के लिए 'क्लीन एयर एक्शन प्लान' लागू किया जाएगा। तटीय क्षेत्रों, मैंग्रोव और खुले मैदानों की सुरक्षा के लिए कड़े कानून बनाए जाएंगे और शहर में ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा।

बजट का विशेष आवंटन और सामाजिक न्याय

सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस ने बीएमसी बजट का 5-5 प्रतिशत हिस्सा विशेष रूप से अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) समुदायों के कल्याण के लिए आवंटित करने का ऐतिहासिक वादा किया है।

नहीं रहे कलमाड़ी

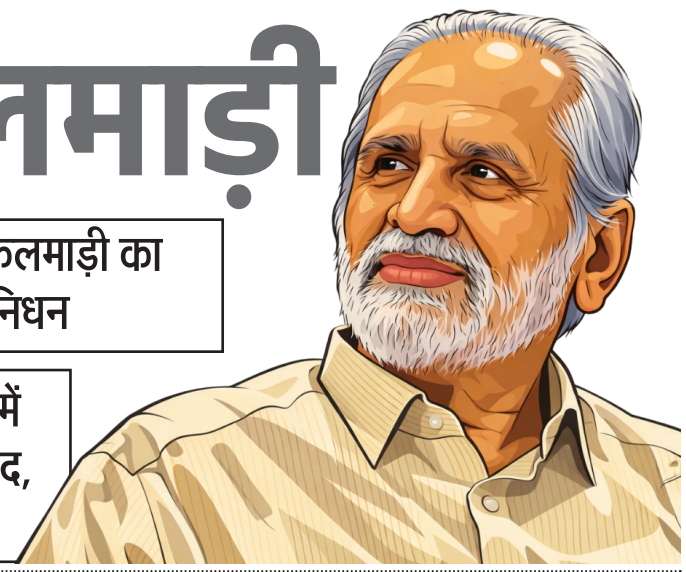

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 81 साल के थे। कलमाड़ी को पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे अंतिम सांस ली।

▸▸ पूर्व केंद्रीय मंत्री कलमाड़ी का 81 की उम्र में निधन

▸▸ कॉमनवेल्थ गेम्स में भ्रष्टाचार को लेकर विवाद, जेल भी जाना पड़ा

कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नासिक महानगरपालिका में 661 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिया, जबकि पुणे में यह संख्या 968 रही। पुणे में कुल 3,061 नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे, जो राज्य की सभी महानगरपालिकाओं में सबसे अधिक हैं। नासिक में 2,356 नामांकन पत्र दाखिल हुए थे।

कौन थे दिवंगत कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी?

सुरेश शामराव कलमाड़ी का जन्म 1 मई 1944 को हुआ था। कलमाड़ी पुणे लोकसभा सीट से 3 बार सांसद चुने गए। राजनीति के साथ-साथ वे खेल प्रशासन के लिए भी जाने जाते रहे। भारतीय ओलिंपिक संघ (IOA) के अध्यक्ष थे। 2010 में दिल्ली में हुए ग्लोबल इवेंट कॉमनवेल्थ गेम्स की आयोजन समिति के चेयरमैन भी थे।

स्क्वॉड्रन लीडर पद से रिटायर हुए थे कलमाड़ी

कलमाड़ी ने 1960 में नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) जॉइन की। फिर वे इंडियन एयरफोर्स में पायलट कमीशंड हुए। एयरफोर्स में वे 1964 से 1972 तक पायलट रहे। इसके बाद वे 1972 से 74 तक NDA में एयरफोर्स ट्रेनिंग टीम में इन्स्ट्रक्टर रहे। एयरफोर्स से वे स्क्वॉड्रन लीडर के पद से रिटायर हुए। इसके बाद उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के साथ अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की।

कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले में नाम, 15 साल चला केस

कलमाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण विवादों में भी घिरे रहे। CWG कॉन्ट्रैक्ट्स को लेकर 15 साल तक केस चला। अप्रैल 2025 में दिल्ली की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिसमें कलमाड़ी और तत्कालीन महासचिव ललित भनोट व अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज था। कलमाड़ी समेत कई लोगों पर खेलों के लिए दो महत्वपूर्ण अनुबंधों के आवंटन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। कलमाड़ी को अप्रैल 2011 में CBI ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से सस्पेंड कर दिया था। उन्हें 10 महीने दिल्ली की तिहाड़ जेल में रखा गया था।

देश ने अनुभवी नेता खो दिया : पवार

एनसीपीएसपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि देश ने एक अनुभवी नेता खो दिया है जो संघर्षों से बने थे और सार्वजनिक जीवन की एक लंबी विरासत रखते थे। उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ नेता जो दशकों तक सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे और देश के सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक क्षेत्रों पर अपनी अलग छाप छोड़ी, कलमाडी को गहरे सम्मान के साथ याद किया जाएगा। पुणे फेस्टिवल और पुणे इंटरनेशनल मैराथन जैसी पहलों के माध्यम से, उन्होंने पुणे को न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं अपने शोक संदेश में, अजीत पवार ने कहा कि कलमाड़ी ने पुणे के विकास में अहम भूमिका निभाई, और उनके निधन से शहर के राजनीतिक, सामाजिक क्षेत्रों में एक खालीपन आ गया है।

नामांकन रद्द होने पर बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका

▸▸ राहुल नार्वेकर पर आरोपों की बौछार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

15 जनवरी 2026 को होने वाले बीएमसी चुनावों से पहले दक्षिण मुंबई के चुनावी समीकरण गरमा गए हैं। आठ उम्मीदवारों ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के दबाव में उनके नामांकन फॉर्म जानबूझकर खारिज किए गए। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि उनके दस्तावेज और जमानत राशि पूरी होने के बावजूद निर्वाचन अधिकारी ने उनके फॉर्म स्वीकार नहीं किए। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट की खंडपीठ ने इस पर उचित समय पर सुनवाई करने की बात कही है। विपक्षी उम्मीदवारों ने आरोप लगाया कि नामांकन की अंतिम तिथि (30 दिसंबर 2025) को राहुल नार्वेकर स्वयं चुनाव कार्यालय में मौजूद थे और उन्होंने अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग करते हुए अधिकारियों पर दबाव बनाया। याचिका के अनुसार, नार्वेकर के इशारे पर पुलिस ने कई उम्मीदवारों को कार्यालय परिसर से बाहर निकाल दिया ताकि वे समय पर फॉर्म जमा न कर सकें। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ है जिसमें नार्वेकर कथित तौर पर कुछ उम्मीदवारों की सुरक्षा वापस लेने की चेतावनी

कोलाबा के वार्डों में 'नार्वेकर परिवार' की दावेदारी

इस विवाद का केंद्र दक्षिण मुंबई के वार्ड संख्या 224 से 227 हैं। इन वार्डों से राहुल नार्वेकर के भाई मकरंद नार्वेकर, बहन गौरी शिवलकर और भाभी हर्षिता शिवलकर चुनाव लड़ रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि अपने परिवार के सदस्यों की जीत सुनिश्चित करने के लिए नार्वेकर ने अन्य मजबूत उम्मीदवारों के नामांकन में बाधा उत्पन्न की है। विवाद बढ़ता देख राज्य निर्वाचन आयोग (SEC) ने संज्ञान लिया है।

ब्रीफ न्यूज़

तुमको मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं : सीएम फड़णवीस

धुले। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को उन विपक्षी दलों पर तंज कसा, जिन्होंने राज्य में आगामी नगर निगम चुनावों में महायुति की 68 सीटों पर निर्विरोध जीत को लेकर आलोचना की। उन्होंने कहा, 'तुमको मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं?' यह बात उन्होंने 15 जनवरी को होने वाले 29 नगर निगम चुनावों से पहले उत्तर महाराष्ट्र के धुले में एक रैली को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने धुले में भाजपा के चार नगरसेवकों को निर्विरोध चुनने के लिए मतदाताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, हम पूरे दिल से इस समर्थन को स्वीकार करते हैं।

चलती लोकल में दिनदहाड़े लूट, छह आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। सेंट्रल रेलवे लाइन पर चलती लोकल ट्रेन में एक मजदूर युवक के साथ फिल्मी अंदाज़ में की गई खौफनाक लूट की घटना सामने आई है। भीड़भाड़ वाली लोकल में बदमाशों ने युवक का गला बेल्ट से दबाकर उसकी जेब से 11 हजार रुपये नकद लूट लिए। हालांकि पीड़ित की हिम्मत और वडाला रेलवे पुलिस की तत्परता से कुछ ही घंटों में सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़ित की पहचान सुहेल मजीद नदाफ (22) के रूप में हुई है, जबकि आरोपियों में शिवा नाडर उर्फ साहिल, सलमान राकेश शेख, आज़ाद महिताफ शेख, करीम सुरेश सोंडकर उर्फ करीम शमीम शेख, अमीर अली खैरुल अली और रेहान कुर्बान अली शेख शामिल हैं।

आज हो सकती है जिला परिषद चुनाव की घोषणा

▸▸ आज ही दी जाएगी सुप्रीम कोर्ट को जानकारी

▸▸ मानव संसाधन अपर्याप्त रहने से 31 जनवरी की डेडलाइन का नहीं हो पा रहा पालन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में 29 महापालिकाओं के चुनावी रण के बीच राज्य चुनाव आयोग ने जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। बुधवार 7 जनवरी को दोपहर 1 बजे होने वाली संपूर्ण आयोग की बैठक में इस संबंध में दो अहम फैसले लिए जाने

की संभावना है। पहला, सर्वोच्च न्यायालय को मौजूदा स्थिति से अवगत कराया जाएगा और दूसरा, अधिकांश मिनी मंत्रालयों (स्थानीय निकायों) के चुनाव कार्यक्रम तय कर उनकी घोषणा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जिला परिषद चुनावों की सर्कल-निहाय मतदाता सूचियां पहले ही तैयार हैं।

अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम ने मांगी इमरजेंसी पैरोल

बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम ने अपने बड़े भाई के निधन के बाद उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जाने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट से इमरजेंसी पैरोल की गुहार लगाई है। सलेम ने मानवीय आधार पर राहत मांगते हुए अदालत से अपील की है कि उसे अपने परिवार के साथ शोक की रस्मों में शामिल होने की अनुमति दी जाए। = जेल में सजा काट रहे अबू सलेम ने याचिका में बताया है कि उसके बड़े भाई अबू हाकिम अंसारी का निधन 14 नवंबर

2025 को हो गया था। सलेम ने अपने भाई को पिता तुल्य बताया है और उनकी मृत्यु के बाद होने वाली 40वें दिन की रस्मों, कुरान ख्वानी और कब्रिस्तान में दुआ करने के लिए अस्थायी रिहाई की मांग की है। सलेम का कहना है कि एक भाई के तौर पर इस दुखद घड़ी में परिवार के साथ रहना उसकी भावनात्मक जरूरत है।

पहले भी की थी अपील, देरी का दिया हवाला

अदालत के समक्ष सलेम ने दलील दी कि उसने अपने भाई के गंभीर रूप से बीमार होने के दौरान भी पैरोल के लिए आवेदन किया था। हालांकि, उस समय कानूनी प्रक्रिया और अदालती छुट्टियों के कारण उसकी याचिका पर समय रहते सुनवाई नहीं हो सकी। अब भाई के निधन के बाद उसने दोबारा इमरजेंसी पैरोल के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है ताकि वह आजमगढ़ जाकर अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में पूरी कर सके।

प्रदूषण के खिलाफ एक्शन में एमपीसीबी

4 रेडी-मिक्स कंक्रीट प्लांट किया बंद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) में बिगड़ती हवा की गुणवत्ता को देखते हुए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। बोर्ड के अध्यक्ष सिद्धेश कदम और सदस्य सचिव एम. देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में विशेष दस्तों का गठन किया गया है, जो सीधे जमीनी स्तर पर जाकर प्रदूषण के स्रोतों की जांच कर रहे हैं। जांच के दौरान नियमों का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर नवी मुंबई और भिवंडी के चार बड़े रेडी-मिक्स कंक्रीट (RMC) प्लांटों को तत्काल बंद करने का आदेश दिया गया है। इनमें दीपक स्टोन कंपनी और सलोनी कंस्ट्रक्शन जैसी इकाइयां शामिल हैं। इसके साथ ही, अब तक कुल 1.89 करोड़ का जुर्माना वसूला जा चुका है।

1.89 करोड़ वसूला जुर्माना

163 प्लांटों की जांच

पिछले मात्र आठ दिनों में उड़ान दस्तों ने 163 RMC प्लांटों का औचक निरीक्षण किया। इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ये प्लांट कंक्रीट उत्पादन के दौरान उड़ने वाली धूल को रोकने के लिए आवश्यक तकनीकी मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं।

निर्माण परियोजनाओं पर भी गिरी गाज

सिर्फ कंक्रीट प्लांट ही नहीं, बल्कि बड़े रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट भी जांच के दायरे में हैं। दस्तों ने 108 बड़ी निर्माण परियोजनाओं का निरीक्षण किया, जिनमें से दो परियोजनाओं पर नियमों की अनदेखी के लिए 10 लाख का जुर्माना लगाया गया है। कड़ी कार्रवाई के तहत 59 RMC प्लांटों को प्रस्तावित निर्देश और 34 को अंतरिम निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों के माध्यम से इकाइयों को चेतावनी दी गई है कि यदि उन्होंने तुरंत प्रदूषण नियंत्रण उपाय नहीं अपनाए, तो उन्हें भी बंद कर दिया जाएगा। यह अभियान दिसंबर माह से ही लगातार जारी है। अब तक कुल 196 प्लांटों की जांच की जा चुकी है और कुल जुर्माने की राशि 3 .59 करोड़ तक पहुंच गई है। बैंक गारंटी जब्त करने जैसी कार्रवाइयों ने औद्योगिक इकाइयों के बीच कड़ा संदेश भेजा है।

जहरीला नेस्ले सेरेउलाइड की मौजूदगी की आशंका के कारण नेस्ले ने वापस मंगाई पूरी खेप

कई शिशु उत्पादों में जहरीले पदार्थ की आशंका

एजेंसी । नई दिल्ली

विश्व की सबसे बड़ी खाद्य कंपनी नेस्ले ने कई देशों में अपने लोकप्रिय शिशु फॉर्मूला उत्पादों के चुनिंदा बैचों को वापस मंगाने (रिकॉल) की घोषणा की है। यह कदम एक संभावित विषैले पदार्थ सेरेउलाइड की मौजूदगी की आशंका के कारण उठाया गया है, जो बैक्टीरिया के कुछ स्ट्रेन द्वारा उत्पन्न होता है। यह रिकॉल मुख्य रूप से ब्रिटेन, आयरलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, इटली, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में लागू है। प्रभावित ब्रांडों में SMA (ब्रिटेन), BEBA (जर्मनी), NAN और अन्य शामिल हैं।

'अत्यधिक सावधानी' के तहत फैसला

वहीं, नेस्ले ने ग्राहकों को भेजे गए नोटिस में स्पष्ट किया है कि यह एक 'स्वैच्छिक रिकॉल' है, जो कंपनी के सख्त गुणवत्ता और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत किया गया है। कंपनी ने जोर देकर कहा है कि उन्होंने यह निर्णय 'अत्यधिक सावधानी बरतते हुए' लिया है, ताकि शिशुओं की सुरक्षा से कोई समझौता न हो। नेस्ले के अनुसार, राहत की बात यह है कि अब तक इन उत्पादों के सेवन से किसी भी बच्चे के बीमार होने की कोई पुष्ट रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

रिकॉल का कारण है 'सेरेउलाइड'

बताया गया कि इस रिकॉल का मुख्य कारण इन उत्पादों में 'सेरेउलाइड' नामक विषैले पदार्थ की संभावित उपस्थिति है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह टॉक्सिन शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। इसके सेवन से मतली, उल्टी और पेट में तेज ऐंठन जैसे लक्षण हो सकते हैं। खाद्य मानक एजेंसी (एफएसए) ने अपनी चेतावनी में स्पष्ट किया है कि सेरेउलाइड की सबसे खतरनाक बात इसकी 'ताप-स्थिरता' है। एजेंसी ने कहा कि सेरेउलाइड अत्यधिक ऊष्मा प्रतिरोधी होता है। इसका अर्थ है कि शिशु का दूध तैयार करते समय इस्तेमाल किए जाने वाले उबलते पानी या पकाने की प्रक्रिया से भी यह निष्क्रिय या नष्ट नहीं होता है।

नेस्ले के कौन से उत्पाद प्रभावित हुए हैं?

नेस्ले ने सुरक्षा कारणों से अपने एसएमए (SMA) और अल्फामिनो ब्रांड के तहत आने वाले बच्चों के दूध (इन्फेंट मिल्क) के विभिन्न उत्पादों को बाजार से वापस मंगा लिया है, जिनमें एसएमए एडवांस्ड, फॉलो-ऑन मिल्क, कम्फर्ट, लैक्टोज फ्री, एंटी रिफ्लक्स, और गोल्ड प्रेम 2 जैसे 400 ग्राम से लेकर 1.2 किलोग्राम तक के पैक और लिक्विड वेरिएंट शामिल हैं। कंपनी ने प्रभावित बैच के उत्पादों का उपयोग तुरंत बंद करने की सख्त सलाह दी है।

200 करोड़ से ज्यादा ठगने वाले शातिर गिरोह पुलिस की गिरफ्त में

वैवाहिक साइटों के जरिए बनाते थे शिकार

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा भाईंदर वसई विरार पुलिस की क्राइम ब्रांच सेल-4 ने एक शातिर अंतरराष्ट्रीय गिरोह को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। यह गिरोह मेट्रोमोनियल (वैवाहिक) साइटों और सोशल मीडिया के जरिए लोगों से संपर्क कर उन्हें फर्जी कंपनियों में निवेश का लालच देता था। पुलिस के अनुसार, इस गिरोह ने अब तक देश भर के लोगों से लगभग 200 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी की है।

पुलिस को गोपनीय सूचना मिली थी कि अहमदाबाद हाईवे पर स्थित 'शिवसाई रेजिडेंसी लॉजिंग एंड बोर्डिंग' में कुछ संदिग्ध गतिविधियां चल रही हैं। इस आधार पर पुलिस ने छापा मारकर पहले 5 आरोपियों को दबोचा और बाद में जांच की कड़ी जोड़ते हुए 2 और अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में रोशनकुमार सीताराम शेट्टी, साबिर मोहम्मद खान, सनद संजीव दास, राहुल कुमार, आमिर शेरखान, अभिषेक नारकर और मोहम्मद राशिद बलूच शामिल हैं।

ठगी का तरीका

वैवाहिक साइट और फर्जी ट्रेडिंग लिंक

यह गिरोह बेहद सुनियोजित तरीके से काम करता था। सबसे पहले ये वैवाहिक वेबसाइटों पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों का विश्वास जीतते थे। इसके बाद, घर बैठे भारी मुनाफे का लालच देकर उन्हें फॉरेक्स ट्रेडिंग और गोल्ड ट्रेडिंग जैसी फर्जी वेबसाइटों के लिंक भेजते थे। निवेश के नाम पर पैसे जमा करवाते ही ये आरोपी उस राशि को फर्जी बैंक खातों में ट्रांसफर कर देते थे।

11 राज्यों में फैला जाल, 51 मामले दर्ज

MBVV पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने पत्रकार परिषद में खुलासा किया कि इस गिरोह का जाल केवल महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि देश के 11 राज्यों में फैला हुआ है। गिरोह के खिलाफ अब तक कुल 51 आपराधिक मामले दर्ज हैं। जांच में पता चला है कि इन्होंने देश के अलग-अलग हिस्सों से करीब 500 लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया है।

विदेशी तार और भारी मात्रा में साजो-सामान जब्त

पुलिस ने आरोपियों के पास से बड़ी संख्या में लैपटॉप, मोबाइल फोन और फर्जी बैंक खातों के दस्तावेज बरामद किए हैं। आयुक्त ने बताया कि इस गिरोह के तार विदेशों से भी जुड़े हैं, जो साइबर अपराध की गंभीरता को दर्शाता है। पुलिस अब उन अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की जांच कर रही है जो इस सिंडिकेट को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहे थे।

पुलिस की अपील: साइबर ठगी से रहें सावधान

साइबर अपराध की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए पुलिस विभाग समय-समय पर जनजागरण अभियान चला रहा है। पुलिस आयुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अज्ञात सोशल मीडिया प्रोफाइल या लुभावने निवेश विज्ञापनों पर भरोसा न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साइबर सेल को दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बीजेपी युति के घोषणापत्र में 54 सूत्री योजनाओं का ऐलान

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व देवेंद्र फडणवीस की जोड़ी पर भरोसा जताते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता विनय सहस्त्रबुद्धे ने आगामी नगर निगम चुनाव में महायुति की बड़ी जीत का दावा किया है। मंगलवार को ठाणे के वर्तकनगर स्थित भाजपा कार्यालय में महायुति का 54 सूत्रीय 'निर्धारणनामा' (घोषणा पत्र) जारी किया गया। इस अवसर पर सहस्त्रबुद्धे ने विश्वास जताया कि ठाणेकरों के समर्थन से महायुति 100 से अधिक सीटों पर विजय हासिल करेगी। इस कार्यक्रम में विधायक संजय केलकर, निरंजन डावखरे और राम रेपाले समेत महायुति के कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

घोषणा पत्र में ठाणे के नागरिकों के लिए सबसे प्रमुख वादा मिनी क्लस्टर स्कीम को प्रभावी ढंग से लागू करना है। इसके साथ ही, शहर में पेयजल की किल्लत दूर करने के लिए 24 घंटे पानी की आपूर्ति और नए हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के लिए 'वाटर रिसाइकिलिंग पॉलिसी' का प्रस्ताव रखा गया है। विधायक संजय केलकर ने बताया कि जब तक म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का अपना डैम (बांध) तैयार नहीं हो जाता, तब तक पानी के वैकल्पिक स्रोतों को विकसित किया जाएगा। साथ ही, अगले 10 वर्षों तक शहर की 197 किमी सड़कों के कंक्रीटिंग और नियमित ऑडिट का भी आश्वासन दिया गया है।

स्वास्थ्य और शिक्षा : कैंसर अस्पताल और एम्स की तर्ज पर सुविधाएं

स्वास्थ्य क्षेत्र में महायुति ने ठाणे में एक कैंसर अस्पताल और एम्स (AIIMS) की तर्ज पर एक भव्य मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने का वादा किया है। महिलाओं के लिए नियमित 'हेल्थ चेक-अप वैन' की सुविधा भी शुरू की जाएगी। शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए नगर निगम के स्कूलों को 'सेमी-इंग्लिश' माध्यम में बदलने और युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट व रोजगारोन्मुख डिजिटल शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया गया है।

सांस्कृतिक राजधानी और आधुनिक परिवहन का विकास

ठाणे की सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने के लिए फिल्म फेस्टिवल, स्ट्रीट आर्ट और म्यूजिक फेस्टिवल जैसे आयोजनों के साथ-साथ डिजिटल लाइब्रेरी और नए स्टेडियम बनाने की योजना है। परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 'इंटरनल रिंग मेट्रो' और हर मेट्रो स्टेशन से जोड़ने वाली मिनी बसों का नेटवर्क तैयार किया जाएगा। साथ ही, वेस्ट मैनेजमेंट के लिए अंडरग्राउंड कूड़ेदान और झीलों के सौंदर्यीकरण के माध्यम से ठाणे को एक स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल (Eco-friendly) शहर बनाने का संकल्प लिया गया है।

मुंब्रा के मनपा स्कूलों ने निकाली जागरूकता रैली, मतदान के लिए किया प्रेरित

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

15 जनवरी 2026 को होने वाले ठाणे महानगरपालिका के आम चुनाव के मद्देनजर मुंब्रा प्रभाग समिति की 'स्वीप' (SVEEP) टीम ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत मुंब्रा स्थित ठाणे मनपा स्कूल नंबर 31, 73, 74, 96, 99, 100 समेत कई स्कूलों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने प्रभातफेरी निकाली। हाथों में रंग-बिरंगे प्लेकार्ड्स और नारों की पट्टियां लिए बच्चों ने मुंब्रा के विभिन्न इलाकों का भ्रमण किया। बच्चों ने नारों के माध्यम से संदेश दिया कि 'आपका मतदान आपकी आवाज है' और शहर के विकास के लिए सही उम्मीदवार चुनना हर नागरिक का संवैधानिक कर्तव्य है।

चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मुंब्रा में रैलियों के साथ-साथ नुक्कड़ नाटक और सामूहिक शपथ कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती और मनपा आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन में आयोजित इन गतिविधियों को स्थानीय जनता, शिक्षकों और अभिभावकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। विशेष रूप से विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए छोटे नाटकों ने लोगों को यह समझने में मदद की कि कैसे एक वोट शहर की बुनियादी सुविधाओं और भविष्य की रूपरेखा बदल सकता है।

प्रशासन की अपील: लोकतंत्र के उत्सव में सुनिश्चित करें अपनी भागीदारी

प्रशासन का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि मुंब्रा प्रभाग के अधिक से अधिक लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करें। अधिकारियों ने बताया कि यह रैलियां और जागरूकता कार्यक्रम चुनाव के अंतिम दिनों तक जारी रहेंगे ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए। विद्यार्थियों ने अपनी रैलियों के माध्यम से बुजुर्गों और युवाओं से अपील की कि वे 15 जनवरी को अपने नजदीकी मतदान केंद्रों पर पहुंचकर भारी संख्या में वोट डालें। इस पहल की सराहना करते हुए स्थानीय नागरिकों ने भी विश्वास दिलाया कि वे इस बार मतदान के रिकॉर्ड को बेहतर बनाएंगे।

उत्तर भारतीय प्रचारकों पर एफआईआर से दहिसर में बढ़ा तनाव

डीबीडी संवाददाता । दहिसर

दहिसर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड-1 में महायुती प्रत्याशी रेखा राम यादव के लिए प्रचार कर रहे 10 उत्तर भारतीय कार्यकर्ताओं के खिलाफ पूर्व विधायक विनोद घोसालकर द्वारा एफआईआर दर्ज कराए जाने से इलाके में तनावपूर्ण माहौल बन गया है। इस कार्रवाई से स्थानीय उत्तर भारतीय समुदाय में नाराजगी देखी जा रही है, जबकि राजनीतिक हलकों में भी इसे लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। स्थानीय भाजपा विधायक मनीषा चौधरी ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विनोद घोसालकर को विकास के मुद्दों पर चुनाव लड़ना चाहिए और निर्दोष लोगों को डराने की राजनीति बंद करनी चाहिए। उन्होंने पुलिस से भी अपील की कि किसी भी प्रकार के दबाव में आकर मामले दर्ज न किए जाएं और निष्पक्षता से कार्रवाई की जाए।

पुलिस ने 55 लाख का अवैध गुटखा पकड़ा

तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

आगामी भिवंडी निज़ामपुर महानगरपालिका चुनाव 2026 के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है। इसी मुस्तैदी के बीच ठाणे शहर पुलिस की अपराध शाखा (घटक-2) ने अवैध गुटखा तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जाल बिछाकर तीन टेम्पो को रोका और उनसे लगभग 55 लाख रुपए मूल्य का प्रतिबंधित गुटखा बरामद किया। इस मामले में तीन चालकों को गिरफ्तार किया गया है और वाहनों समेत कुल 77.99 लाख रुपए का मुद्देमाल जब्त किया गया है।

1 जनवरी 2026 को अपराध शाखा की टीम जब भिवंडी क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही थी, तब उन्हें सूचना मिली कि भादवड नाका से कल्याण नाका की ओर अवैध गुटखे की खेप ले जाई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल राऊत के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक श्रीराज माळी और उनकी टीम ने आसबिबी मस्जिद के पास सड़क पर नाकाबंदी की। संदिग्ध वाहनों के आते ही पुलिस ने उन्हें रोक लिया और तलाशी शुरू की। कार्रवाई में टाटा इंडिका टेम्पो (MH 04 LE 3910) के चालक गणेश संजय मस्कर, महिंद्रा विरो टेम्पो (MH 04 MR 3391) के चालक अक्षय सदाशिव गुडेकर, तथा आयशर टेम्पो (DD 01 F 9102) के चालक अजिम वाहिद शेख को मौके पर हिरासत में लिया गया।

कड़ी धाराओं में मामला दर्ज और जांच जारी

गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ भिवंडी शहर पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला (अपराध क्रमांक 04/2026) दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें अपर पुलिस आयुक्त डॉ. पंजाबराव उगले और उप पुलिस आयुक्त अमरसिंह जाधव शामिल हैं, के दिशा-निर्देशों पर की गई। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस अवैध माल का मुख्य सप्लायर कौन है और इसे कहां खपाया जाना था।

77.99 लाख रुपए का मुद्देमाल बरामद

पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, बरामद किए गए गुटखे की कीमत लगभग 44.99 लाख रुपए (बाजार मूल्य के आधार पर 55 लाख के करीब) है। इसके साथ ही तस्करी में इस्तेमाल किए गए तीनों टेम्पो को भी जब्त कर लिया गया है, जिनकी कुल कीमत मिलाकर पूरी जब्ती 77.99 लाख रुपए आंकी गई है। यह भिवंडी क्षेत्र में इस साल की अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाइयों में से एक मानी जा रही है।

आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का कायाकल्प

'संजीवनी' प्रोजेक्ट के तहत दो PHC अपग्रेड

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

जिले के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में रहने वाले नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 'संजीवनी' प्रोजेक्ट के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत पीपीएफएस म्यूचुअल फंड के सीएसआर (CSR) सहयोग से ठाणे जिले के दो और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) को पूरी तरह अपग्रेड किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पिछड़े क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करना है, ताकि गरीब मरीजों को शहर की ओर न भागना पड़े। अपग्रेडेशन के इस चरण में प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस किया गया है। कुल 50 लाख रुपए की लागत से लेप्रोस्कोप, आईसीयू (ICU) बेड, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, बेबी वार्मर और ऑपरेशन इंस्ट्रूमेंट जैसी महत्वपूर्ण मशीनें प्रदान की गई हैं।

कॉर्पोरेट और सामाजिक उत्तरदायित्व का संगम: अधिकारियों ने जताया आभार

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि मेकिंग द डिफरेंस एनजीओ द्वारा अब तक जिले में चार स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक बनाया जा चुका है। पीपीएफएस फंड के सीएमओ शैलेंद्र पांडे ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल आर्थिक मदद देना नहीं, बल्कि केंद्रों की वास्तविक जरूरतों को पहचानकर उपकरण देना है। वहीं, ऐप डेवलपमेंट मैनेजर लूनर सुतार ने इसे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी बताया। इस सफल मॉडल से ग्रामीण क्षेत्रों में शिशु मृत्यु दर कम करने और आपातकालीन उपचार में बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है।

आरंभ है प्रचंड बोले कार्यकर्ताओं के झुंड

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता के बीच वर्चस्व की लड़ाई तेज

78 निर्दलीय प्रत्याशियों में से कुछ भाजपा का चुनावी समीकरण बिगाड़कर बन सकते है गेमचेंजर

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर मनपा का आरंभ हुआ चुनावी रण अब परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता के बीच वर्चस्व की लड़ाई को लेकर प्रचंड हो गया है। साख बचाने की इस लड़ाई का कौन होगा धुरंधर, इसका नतीजा 16 जनवरी को पता चलेगा। एक तरफ भाजपा का मजबूत जनाधार है तो दूसरी तरफ भाजपा से रूठकर शिवसेना में गए जनप्रतिनिधियों ने शिवसेना की ताकत बढ़ाई है।

ऐसा माना जा रहा है कि इस चुनाव में भाजपा और शिवसेना के बीच कांटे की टक्कर है। हालांकि 78 निर्दलीय प्रत्याशियों में से कुछ भाजपा का चुनावी समीकरण बिगाड़कर 'गेम चेंजर' बन सकते हैं।

मीरा-भाईंदर शहर की गरिमा का प्रतिनिधित्व करने वाले महापौर पद की सूची

- स्व. मायरा मेंडोंसा (अविभाजित एनसीपी) – 27 फरवरी 2005
- निर्मला सावले (अविभाजित एनसीपी) – 27 अगस्त 2007
- नरेंद्र मेहता (अपक्ष/भाजपा) – 27 फरवरी 2010
- स्व. तुलसीदास म्हात्रे (कांग्रेस) – 27 अगस्त 2012
- केटलिन परेरा (अविभाजित एनसीपी) – 27 फरवरी 2015
- गीता जैन (भाजपा) – 27 अगस्त 2017
- डिंपल मेहता (भाजपा) – 27 फरवरी 2020
- ज्योत्सना हसनाले (भाजपा) – 27 अगस्त 2022

जाने कहां गए वो दिन

2002 से अस्तित्व में आई मीरा-भाईंदर मनपा में 2017 तक कांग्रेस और अविभाजित एनसीपी की सत्ता रही। 2012 के चुनाव में एनसीपी 27 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर थी। उस समय शहर के प्रभावशाली नेता स्व. गिल्बर्ट मेंडोंसा की कुशल रणनीति के कारण अविभाजित एनसीपी ने कांग्रेस और बहुजन विकास आघाड़ी के साथ मिलकर लगातार तीसरी बार मनपा सत्ता हासिल की थी। 15 साल सत्ता सुख भोगने के बाद 2017 में कांग्रेस मात्र 10 सीटों पर सिमट गई, वहीं एनसीपी अपना खाता भी नहीं खोल पाई।

बीजेपी का अब तक का सफर

2002 में मात्र 9 सीटें जीतने वाली भाजपा आज शहर की सबसे बड़ी पार्टी है। 2007 में 14 और 2012 में सर्वाधिक 29 सीटें जीतने के बावजूद भाजपा को विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ी। 2017 के मनपा चुनाव में कुल 47 प्रतिशत मतदान हुआ था। सभी पार्टियों ने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा था। देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने 95 में से रिकॉर्ड 61 सीटें जीतकर पहली बार मनपा सत्ता पर कब्जा किया था। कहा जाता है कि राजनीति में किसी नेता का अस्तित्व कभी खत्म नहीं होता, होती है तो सिर्फ हार और जीत। 2019 के विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद भी नरेंद्र मेहता ने भाजपा का साथ नहीं छोड़ा और 2024 के विधानसभा चुनाव में भारी मतों से जीत दर्ज कर जोरदार वापसी की। वर्तमान मनपा चुनाव के सकारात्मक नतीजे उनके राजनीतिक जीवन में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। सबसे बड़ी पार्टी भाजपा एक बार फिर 'अबकी बार 70 पार' के संकल्प के साथ सत्ता हासिल करने के प्रयास में जुटी है।

435 उम्मीदवार मैदान में

गौरतलब है कि साल 2017 में मीरा-भाईंदर महानगरपालिका चुनाव में 95 सीटों के लिए 509 उम्मीदवार मैदान में थे। वहीं 2026 में कुल 435 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं, जिनमें भाजपा के 87, शिवसेना (शिंदे) के 81, कांग्रेस के 32, शिवसेना (उबाठा) के 56, मनसे के 16, एनसीपी (अजित पवार) के 33 और एनसीपी (शरद पवार) के 14 उम्मीदवार शामिल हैं।

अबकी बार धुआंधार

2017 में अविभाजित शिवसेना ने विधायक प्रताप सरनाईक के नेतृत्व में 22 सीटें जीती थीं। विभाजन के बाद शिवसेना (शिंदे) के खाते में 17 सीटें आईं। वर्तमान में 'अबकी बार 50 पार' का संकल्प लेकर चुनावी रण में उतरे परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है।

डीवीडी निष्कर्ष

वर्तमान चुनावी माहौल को देखते हुए यही निष्कर्ष निकलता है कि भाजपा को जहां बागियों से नुकसान होने की संभावना है, वहीं शिवसेना (शिंदे) को शिवसेना (उबाठा) और मनसे का गठबंधन काफी हद तक प्रभावित कर सकता है।

वार्ड 136 में 'स्थानीय' बनाम 'बाहरी' की जंग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई नगर निगम चुनाव 2026 की आहट के साथ ही गोवंडी के वार्ड 136 में राजनीतिक ध्रुवीकरण तेज हो गया है। यहाँ के स्थानीय निवासियों ने इस बार किसी भी 'बाहरी' उम्मीदवार को स्वीकार न करने का मन बना लिया है। मतदाताओं का आरोप है कि पिछले दो दशकों से उन पर ऐसे प्रत्याशी थोपे गए जिनका इस मिट्टी से कोई जुड़ाव नहीं था। निवासियों का कहना है कि वे इस बार केवल उसी व्यक्ति को चुनेंगे जो गोवंडी की गलियों और यहाँ की बुनियादी समस्याओं से वाकिफ हो। इस असंतोष के बीच स्थानीय युवा नेता ज़मीर कुरैशी एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरे हैं।

स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित चुनाव अभियान

वार्ड 136 के नागरिकों का स्पष्ट संदेश है कि इस बार चुनाव 'पार्टी' के नाम पर नहीं बल्कि 'जुड़ाव' के नाम पर लड़ा जाएगा। ज़मीर कुरैशी के समर्थकों का कहना है कि बाहरी उम्मीदवारों के लिए गोवंडी केवल एक सुरक्षित 'वोट बैंक' है, जबकि स्थानीय उम्मीदवार के लिए यह उनका घर है। शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे की जर्जर स्थिति को देखते हुए, मतदाता अब एक ऐसे प्रतिनिधि की मांग कर रहे हैं जो उनके दुख-दर्द में सीधा साझीदार बन सके।

पिछले 15 वर्षों का 'राजनीतिक बोझ' और जनता का आक्रोश

वार्ड 136 के मतदाताओं ने पिछले चुनावों का हवाला देते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की है। उनके अनुसार, 2007 में समाजवादी पार्टी ने ट्रॉम्बे की आसमा शेख, 2012 में दक्षिण मुंबई के रईस शेख और 2017 में मलाड की रुकसाना सिद्दीकी को यहाँ से चुनाव लड़ाया। हालांकि स्थानीय लोगों ने उदारता दिखाते हुए तीनों को भारी बहुमत से जिताया, लेकिन अनुभव कड़वा रहा। जनता का दावा है कि चुनाव जीतने के बाद बाहरी प्रतिनिधि इलाके से गायब हो जाते हैं, जिससे जल निकासी, कचरा प्रबंधन और स्वास्थ्य जैसी सेवाएँ बदहाल बनी रहती हैं। समाजवादी पार्टी द्वारा 2026 के चुनाव के लिए एक बार फिर रुकसाना सिद्दीकी को मैदान में उतारने के फैसले ने आग में घी डालने का काम किया है। स्थानीय लोगों का तर्क है कि गोवंडी के पास अपनी प्रतिभा और नेतृत्व की कमी नहीं है, फिर भी बार-बार बाहर के लोगों को क्यों थोपा जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

महानगरपालिका चुनाव में ठाकरे बंधुओं की बदली रणनीति

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर ठाकरे बंधुओं की रणनीति सुर्खियों में है। आगामी महानगरपालिका चुनावों के मद्देनज़र मुंबई और आसपास के इलाकों में बड़ी रैलियों के बजाय शिवसेना (उद्धव) पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने सीधे पार्टी शाखाओं में जाकर प्रचार करने का फैसला किया है। दोनों नेता अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी-अपनी पार्टी की शाखाओं का दौरा कर कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों से सीधा संवाद कर रहे हैं। शिवसेना (उद्धव) नेता सुभाष देसाई ने आरोप लगाया कि भाजपा और शिंदे गुट के नेताओं की मनमानी के कारण उद्धव गुट और मनसे की संयुक्त सभाओं के लिए मैदान उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह जानबूझकर किया जा रहा है ताकि चुनाव प्रचार को रोका जा सके। देसाई के मुताबिक, जब लोकतांत्रिक तरीके से सभा की अनुमति नहीं मिल रही, तो जनता तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्ता अपनाना जरूरी है, इसी कारण दोनों नेताओं ने शाखाओं में जाकर सीधे संपर्क का निर्णय लिया है। उद्धव ठाकरे ने रविवार और सोमवार को बोरीवली, कांदिवली, वर्ली, लालबाग, शिवडी सहित कई शाखाओं का दौरा कर उम्मीदवारों को शुभकामनाएं दीं और हर वर्ग तक पहुंचने पर जोर दिया। वहीं राज ठाकरे ने मंगलवार को गोरेगांव और मालाड की शाखाओं में पहुंचकर मनसे कार्यकर्ताओं के साथ-साथ शिवसेना (उद्धव) के पदाधिकारियों का भी उत्साह बढ़ाया।

स्पेशल कोर्ट ने डीएनए टेस्ट की दी इजाजत

मुंबई। विशेष अदालत ने महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) को कथित नक्सली प्रशांत जलिंदर कांबले की पहचान सुनिश्चित करने के लिए डीएनए टेस्ट हेतु खून के सैंपल लेने की अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा कि कांबले की वास्तविक पहचान स्थापित करने के लिए डीएनए टेस्ट सबसे प्रभावी तरीका है, क्योंकि उस पर रोहित, लैपटॉप, मधु और सुनील जैसे कई नामों का इस्तेमाल करने का आरोप है। प्रशांत कांबले पिछले 15 वर्षों से फरार था और पिछले साल एटीएस ने उसे माओवादियों से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया था। 2011 में एटीएस द्वारा दर्ज एक मामले में उसका नाम वांछित आरोपियों की सूची में शामिल किया गया था। एटीएस के अनुसार, कांबले खोपोली में सुनील चंद्रकांत जगताप के नाम से रह रहा था और हाल ही में पुणे जाते समय उसे गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसी को यह स्थापित करना है कि प्रशांत कांबले और सुनील चंद्रकांत जगताप एक ही व्यक्ति हैं या नहीं। एटीएस की ओर से सरकारी वकील जयसिंह देसाई ने दलील दी कि कांबले ने जाली दस्तावेज बनाने के लिए कई नामों का इस्तेमाल किया है, जिसकी पुष्टि डीएनए टेस्ट से हो सकती है। बचाव पक्ष ने डीएनए टेस्ट की आवश्यकता पर सवाल उठाया, लेकिन अंततः खून के सैंपल लेने पर आपत्ति नहीं जताई। अदालत ने कहा कि जब कोई व्यक्ति बार-बार फर्जी सरकारी दस्तावेज बनाकर अलग-अलग पहचान अपनाता है और उस पर गंभीर आरोप होते हैं, तो उसकी पहचान ठोस और वैज्ञानिक साक्ष्यों से ही साबित की जानी चाहिए।

जनता भाजपा की 'ठोकशाही' को सिखाएगी सबक: सपकाल

देवेंद्रनाथ जैस्वार । नागपुर/मुंबई

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने नगरपालिका चुनावों के परिणामों पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा है कि कांग्रेस के पक्ष में जनसमर्थन का जो तूफ़ान उठा है, वह आगामी महानगरपालिका चुनावों में भी जारी रहेगा। नागपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि 288 नगरपालिकाओं में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें 41 नगराध्यक्ष और 1006 नगरसेवक विजयी हुए हैं। उन्होंने राज्य की जनता से अपील की कि वे भाजपा-महायुति की तानाशाही और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को कुचलने वाली 'ठोकशाही' का अंत करें।

चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल

सपकाल ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि आयोग सत्ताधारी दल के इशारे पर काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों में भारी गड़बड़ी और मतदान की तारीखों में बार-बार बदलाव के माध्यम से विपक्ष को दबाने की कोशिश की जा रही है। सपकाल के अनुसार, रचुनाव आयोग, प्रशासन और सत्ताधारी दलों ने मिलकर लोकतंत्र का तमाशा बना दिया है। ऐसा लगता है कि आयोग ने 'हम सुधार नहीं करेंगे' की नीति अपना ली है।

विलासराव देशमुख का अपमान और भाजपा की 'मिटाने वाली' मानसिकता

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख पर दिए गए बयान की कांग्रेस ने कड़ी निंदा की। सपकाल ने कहा कि विलासराव जी का व्यक्तित्व निर्विवाद है, लेकिन भाजपा सत्ता के घमंड में चूर है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा केवल विरोधियों ही नहीं, बल्कि अपने ही दिग्गज नेताओं जैसे वाजपेयी, मुंडे और महाजन की यादों को भी मिटाना चाहती है। उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि जल्द ही भाजपा रेशीमबाग से हेडगेवार और गोलवलकर की तस्वीरें हटाकर मोदी-शाह की तस्वीरें लगा देगी।

बिनविरोध चुनाव और राहुल नार्वेकर पर गुंडागर्दी के आरोप

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर निशाना साधते हुए सपकाल ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को बिनविरोध जिताने के लिए पद की मर्यादाओं को रौंद दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नार्वेकर ने विपक्ष को डराने-धमकाने और गुंडागर्दी का सहारा लिया, जिसके सीसीटीवी फुटेज भी गायब कर दिए गए। कांग्रेस ने मांग की है कि जहाँ चुनाव बिनविरोध हुए हैं, वहाँ जनता को 'NOTA' का विकल्प दिया जाना चाहिए और इस मामले में पार्टी कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी।

'टक्काभाऊ' और ड्रग्स मामले में सरकार को घेरा

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृह जिले सातारा में पकड़े गए बड़े ड्रग्स कारखाने का जिक्र करते हुए सपकाल ने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में एकनाथ शिंदे को क्लीन चिट देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। सपकाल ने फडणवीस पर तंज कसते हुए उन्हें 'देवाभाऊ' के बजाय 'टक्काभाऊ' (कमीशन खाने वाला) बताया और आरोप लगाया कि अब सत्ताधारी दल ठेकों के साथ-साथ ड्रग्स के कारोबार से भी पैसा कमाने लगा है।

सावरकर और शिवाजी महाराज पर आशीष शेलार को चुनौती

सावरकर के मुद्दे पर भाजपा नेता आशीष शेलार को घेरते हुए सपकाल ने कई सवाल दागे। उन्होंने पूछा कि क्या शेलार को सावरकर के वे विचार स्वीकार हैं जो उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज, संभाजी महाराज और गाय (उपयोगी पशु) को लेकर व्यक्त किए थे? उन्होंने सावरकर द्वारा ली गई 60 रुपये की ब्रिटिश पेंशन पर भी सवाल उठाया और कहा कि कांग्रेस इस विषय पर शेलार के साथ किसी भी मंच पर खुली बहस के लिए तैयार है।

इतिहास और विचारधारा की समझ पर नसीहत

केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटील के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेशाध्यक्ष ने उन्हें गोविंद पानसरे की पुस्तक पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने पूछा कि पाटील को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे उन विचारधाराओं के बारे में क्या सोचते हैं जिन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल अपनी सुविधा के अनुसार इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है, जिसका जनता सही समय पर जवाब देगी।

अन्याय के खिलाफ एकजुटता

पत्रकार परिषद के अंत में सपकाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र की अस्मिता और लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे महानगरपालिका चुनावों के लिए कमर कस लें और भाजपा के दुष्प्रचार का जवाब विकास और संवैधानिक मूल्यों के माध्यम से दें। इस अवसर पर नागपुर कांग्रेस अध्यक्ष विकास ठाकरे और अतुल लोंढे सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने पार्टी की आगामी रणनीति पर चर्चा की।

मनसे में बगावत

मनसे महासचिव राजाभाऊ चौगुले सहित कई पदाधिकारी शिवसेना शिंदे में शामिल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना (UBT) और मनसे के बीच हुए नए चुनावी तालमेल ने राज ठाकरे की पार्टी में बड़ी भगदड़ मचा दी है। मंगलवार को मनसे के कद्दावर नेता और महासचिव राजाभाऊ चौगुले, प्रवक्ता हेमंत कांबले और चित्रपट सेना के महासचिव राहुल तुपलोंधे समेत कई प्रमुख पदाधिकारियों ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वाले नेताओं में छात्र सेना के संदेश शेट्टी, मुनव्वर शेख और जनहित सेल के एडवोकेट देवाशीष मार्क जैसे नाम भी शामिल हैं। इन नेताओं की नाराजगी इस बात को लेकर है कि जिस शिवसेना (UBT) का वे सालों से विरोध करते आए हैं, अब उसी के साथ मिलकर चुनाव लड़ना उनके राजनीतिक अस्तित्व के खिलाफ है।

भाजपा में भी सेंधमारी

इस्तीफा देने के कुछ ही घंटों बाद इन सभी नेताओं ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सरकारी आवास पर पहुंचकर शिवसेना (शिंदे गुट) की सदस्यता ग्रहण कर ली। मुख्यमंत्री शिंदे ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी में उन्हें उचित मान-सम्मान और जिम्मेदारी दी जाएगी। गौरतलब है कि मनसे में यह भगदड़ केवल शिंदे गुट तक सीमित नहीं है; मंगलवार सुबह ही मनसे के पूर्व पार्षद संतोष धुरी ने भाजपा का दामन थाम लिया था।

गठबंधन के कारण छिनी उम्मीदवारी, कार्यकर्ताओं में भारी रोष

इस सामूहिक इस्तीफे के पीछे की मुख्य वजह सीटों का बंटवारा और पिछले 8 वर्षों से रुके हुए नगर निगम चुनाव हैं। मनसे के कई पदाधिकारी लंबे समय से वार्ड स्तर पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन शिवसेना (UBT) के साथ गठबंधन होने के कारण कई सुरक्षित सीटें अब दूसरे गुट के खाते में चली गई हैं। इससे उम्मीदवारों और उनके समर्थकों में भारी हताशा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 'मराठी मानुस' और 'हिंदुत्व' के मुद्दे पर बंटे हुए ये कार्यकर्ता अब शिंदे और भाजपा के खेमे में अपनी जगह तलाश रहे हैं, जिसका सीधा असर 15 जनवरी को होने वाले बीएमसी चुनावों के नतीजों पर पड़ सकता है।

उद्धव ठाकरे निर्विरोध चुने गए तो सब ठीक, दूसरे चुने गए तो गलत : दीपक केसरकर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका चुनाव की गहमागहमी के बीच शिवसेना नेता दीपक केसरकर ने उद्धव ठाकरे गुट (उबाठा) पर तीखा हमला बोला है। दीपक केसरकर ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि जब उद्धव स्वयं निर्विरोध चुने जाते हैं, तब उन्हें चुनाव प्रक्रिया पर कोई आपत्ति नहीं होती। लेकिन जब अन्य उम्मीदवार निर्विरोध चुने जा रहे हैं, तो उबाठा गुट इसे गलत बता रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता से काम कर रहा है और निर्विरोध चयन जनता के विश्वास का परिणाम है।

संजय राउत की मानसिक स्थिति पर कटाक्ष

संजय राउत द्वारा लगातार दी जा रही बयानबाजी पर केसरकर ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राउत जिस तरह की 'बहकी-बहकी' बातें कर रहे हैं, उससे लगता है कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। केसरकर ने सुझाव दिया कि राउत को अपनी सेहत की दोबारा जांच करानी चाहिए ताकि वे महापुरुषों के नाम पर राजनीति करना बंद करें।

मोदी सरकार द्वारा शिवाजी महाराज को सम्मान

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केसरकर ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में छत्रपति शिवाजी महाराज को वास्तविक सम्मान मिला है। उन्होंने उदाहरण दिया कि भारतीय नौसेना के नए ध्वज (बोधचिन्ह) पर शिवाजी महाराज के राजमुद्रा प्रतीक को शामिल करना एक ऐतिहासिक कदम है, जो पिछली किसी भी सरकार ने नहीं उठाया था।

महापुरुषों के नाम पर राजनीति करने का विरोध

केसरकर ने छत्रपति शिवाजी महाराज के मुद्दे पर उबाठा गुट को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज पूरे देश के आराध्य हैं और उनके नाम पर ओछी राजनीति करना निंदनीय है।

मुंबई को गड्ढा-मुक्त करने का संकल्प

शिवसेना प्रवक्ता शायना एन. सी. ने भी उबाठा पर हमला करते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों में मुंबई को गड्ढों में धकेल दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अब मुंबई को पूरी तरह गड्ढा-मुक्त करने का संकल्प लिया है और वर्ष 2027 तक शहर की सभी प्रमुख सड़कों का कायाकल्प कर दिया जाएगा।
मुंबईकरों को राहत देने के लिए महायुति सरकार ने एक विस्तृत 'ब्लू-प्रिंट' तैयार किया है। मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक में सड़कों और परिवहन व्यवस्था को लेकर अहम निर्णय लिए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य मुंबई की ढांचागत व्यवस्था को आधुनिक बनाना और यातायात की समस्याओं को जड़ से खत्म करना है।

प्रचार सभाओं को लेकर शिवाजी पार्क पर दावेदारी

मुंबई। मुंबई नगर निगम चुनाव के मद्देनज़र जैसे-जैसे मतदान की तारीख नज़दीक आ रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक दलों की प्रचार गतिविधियां तेज़ हो गई हैं। 15 जनवरी को होने वाले मतदान और 16 जनवरी की मतगणना से पहले अब बड़ी चुनावी सभाओं की तैयारी शुरू हो गई है। भाजपा, शिवसेना (शिंदे), शिवसेना (ठाकरे), एमएनएस और कांग्रेस जल्द ही मुंबई में अपनी प्रमुख सभाएं आयोजित करने की योजना बना रही हैं। दादर स्थित शिवाजी पार्क सभी दलों की पहली पसंद बना हुआ है, जिसके लिए शिवसेना (शिंदे), शिवसेना (ठाकरे) और एमएनएस ने अनुमति के लिए आवेदन किया है। शिवसेना (शिंदे) ने 11, 12 या 13 जनवरी में से किसी एक दिन, शिवसेना (ठाकरे) ने 12 जनवरी और एमएनएस ने 11 जनवरी के लिए आवेदन दिया है।

बीईसीआईएल ऋण धोखाधड़ी

कोर्ट ने प्रतीक कनकिया को ईडी की हिरासत में भेजा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने 'ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड' (बीईसीआईएल) से जुड़े 50 करोड़ रुपये के कथित ऋण धोखाधड़ी मामले में 'द ग्रीन बिलियन्स लिमिटेड' के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रतीक कनकिया को नौ जनवरी तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया है। ईडी ने अदालत को बताया कि कनकिया इस मामले का मुख्य षड्यंत्रकारी और अपराध से अर्जित धन का प्राथमिक लाभार्थी है, इसलिए बीईसीआईएल से मिले ऋण की अंतिम उपयोगिता का पता लगाने के लिए उसकी कस्टडी में पूछताछ आवश्यक है।

सीबीआई की एफआईआर पर आधारित है धनशोधन मामला

ईडी का धनशोधन मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा सितंबर 2024 में दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है, जो केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सतर्कता प्रशासन की शिकायत पर दर्ज की गई थी। बीईसीआईएल इसी मंत्रालय के अधीन कार्यरत है। ईडी द्वारा रिमांड हासिल करने से पहले कनकिया सीबीआई के मामले में न्यायिक हिरासत में था। धनशोधन मामले में औपचारिक गिरफ्तारी के बाद ईडी ने उसे पीएमएलए मामलों के विशेष न्यायाधीश आर.बी. रोटे के समक्ष पेश किया।

अपशिष्ट-से-ऊर्जा परियोजना के नाम पर धन के दुरुपयोग का आरोप

ईडी के अनुसार, 'द ग्रीन बिलियन्स लिमिटेड' के सीईओ और संस्थापक प्रतीक कनकिया ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन बीईसीआईएल से पुणे नगर निगम की अपशिष्ट-से-ऊर्जा रूपांतरण परियोजना के लिए 50 करोड़ रुपये का अल्पकालिक उद्यम ऋण लिया था। एजेंसी का आरोप है कि इस धनराशि का परियोजना में उपयोग करने के बजाय कनकिया ने इसका दुरुपयोग निजी खर्चों में किया। ईडी के मुताबिक, ऋण की बड़ी रकम उसकी आलीशान जीवनशैली पर खर्च हुई, जिसमें लग्ज़री वाहन तथा मुंबई और दिल्ली में महंगे मकान शामिल हैं।

पीएम मोदी पर पृथ्वीराज चव्हाण ने दिया विवादित बयान, फिर दी सफाई

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के एक बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई का हवाला देते हुए उन्होंने आशंका जताई कि कल ऐसा ही कुछ भारत के साथ भी हो सकता है। चव्हाण ने कहा कि किसी निर्वाचित नेता का अपहरण करना न केवल गंभीर चिंता का विषय है, बल्कि यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का भी उल्लंघन है। उन्होंने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ को लेकर कहा कि इतने अधिक शुल्क के साथ व्यापार असंभव हो जाता है और यह भारत-अमेरिका व्यापार, खासकर भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात को रोकने जैसा है। बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे भारत-विरोधी और बेतुका बताया। विवाद बढ़ने पर चव्हाण ने सफाई दी कि उनका उद्देश्य किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा को लेकर चेतावनी देना था। उन्होंने कहा कि यदि वैश्विक स्तर पर ऐसी कार्रवाइयों को रोका नहीं गया, तो भविष्य में किसी भी देश के साथ कुछ भी हो सकता है, इसलिए सभी देशों को सतर्क रहना चाहिए।

पश्चिम रेलवे

विद्युत कार्य

उप मुख्य विद्युत अभियंता (वर्क्स), पश्चिम रेलवे, कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400013 **ई-टेंडर सूचना सं.: EL/WA/PL/2025-26/38 दिनांक: 03.01.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** लोअर परेल स्थित कैरिज रिपेयर वर्कशॉप में मौजूदा 750V D&ED प्रणाली को 1000V D&ED में उन्नयन करना, D&ED के लिए चूहे (Rodent) से सुरक्षा हेतु क्लिट असेंबली की आपूर्ति एवं स्थापना करना, तथा स्विच बोर्ड कैबिनेट के जर्जर निचले दरवाजों का प्रतिस्थापन करना। **कार्य की अनुमानित लागत:** 48,05,668/- **अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD):** 96,100/- **टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 31.01.2026 को 12:00 बजे तक **टेंडर खोलने की तिथि एवं समय:** 31.01.2026 को 12:30 बजे अधिक जानकारी एवं टेंडर दस्तावेजों हेतु कृपया वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in**
0977
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

सिक्योरिटी गार्ड ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली

मुंबई। कांदिवली के पोइसर इलाके में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक 45 वर्षीय सुरक्षा गार्ड ने अपनी ही लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। पुलिस ने मृतक की पहचान प्रभाकर ओझा के रूप में की है। प्रभाकर अंधेरी के एमआईडीसी (MIDC) स्थित एक नामी ज्वेलरी शॉप में सुरक्षा गार्ड के पद पर तैनात थे। इस अचानक उठाए गए कदम से उनके परिवार और पड़ोसियों में मातम पसरा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि सोमवार सुबह प्रभाकर हमेशा की तरह काम पर गए थे। शाम करीब 4 बजे घर लौटने के बाद उनका व्यवहार असामान्य

था। उन्होंने घर में किसी भी सदस्य से कोई बात नहीं की और सीधे अपने कमरे में जाकर दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। कुछ ही देर बाद कमरे से गोली चलने की जोरदार आवाज आई, जिसे सुनकर परिजन दंग रह गए।

हथियार वैध

गोली की आवाज सुनकर जब परिजनों और पड़ोसियों ने दरवाजा तोड़ा, तो अंदर प्रभाकर खून से लथपथ फर्श पर पड़े मिले। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, इस्तेमाल किया गया हथियार वैध था और प्रभाकर ने इसका लाइसेंस उत्तर प्रदेश के मेरठ से प्राप्त किया था। कांदिवली पुलिस ने फिलहाल आकस्मिक मौत का मामला (ADR) दर्ज किया है। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिसके कारण आत्महत्या के कारणों का पता लगाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। पुलिस अब प्रभाकर के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड्स की जांच कर रही है और उनके सहकर्मियों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वे किसी आर्थिक तंगी या मानसिक तनाव से गुजर रहे थे।

पश्चिम रेलवे

सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिमी रेलवे डिविजनल रेलवे मैनेजर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, NFR सेक्शन मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008

कार्य- मुंबई डिवीजन में विभिन्न NFR मीडिया के माध्यम से विज्ञापन दिखाना

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-PnU-25-14	23-01-26 13:00:00

क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	PnU-BCT-MMCT-WRL-80-25-1 (पे एंड यूज़-लाउंज/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लॉक रूम)	मुंबई सेंट्रल (MMCT) स्टेशन पर रिटायरिंग रूम / डॉरमेट्री के नवीनीकरण, संचालन और रखरखाव के लिए ई-नीलामी	1826	23-01-26 13:30:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-47	23-01-26 14:00:00

क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	MSS-BCT-DDR-STGen-96-26-1 (विविध स्टैटिक सेवाएं स्टैटिक सामान्य)	दादर स्टेशन पर बाउंड्री वॉल के पास स्थित वेयरहाउसिंग सुविधा (पार्सल ट्रैफिक के लिए) का विकास, संचालन और प्रबंधन	1096	23-01-26 14:30:00
	प्लेटफ़ॉर्म नंबर 05 से पे एंड यूज़ से एंट्री नंबर 12 तक।			
2	MSS-BCT-BDTS-STGen-91-25-1 (विविध - स्टैटिक - सेवाएं - स्टैटिक सामान्य)	बांद्रा टर्मिनस पर उत्तरी छोर के बीच स्थित वेयरहाउसिंग सुविधा (पार्सल ट्रैफिक के लिए) का विकास, संचालन और प्रबंधन	1096	23-01-26 14:40:00
	प्लेटफ़ॉर्म नंबर 01 और कोच केयर सेंटर की बाउंड्री वॉल			
3	MSS-BCT-PLG-PrKiosk-53-25-1 (विविध-स्टैटिक- सेवाएं प्रमोशनल कियोस्क)	पालघर (PLG) और बोईसर (BOR) स्टेशनों पर प्रमोशनल कियोस्क / उत्पाद प्रदर्शन के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अनुबंध के लिए ई-नीलामी	1096	23-01-26 14:50:00
	तीन साल की अवधि के लिए।			

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-68	23-01-26 15:00:00

क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-BCT-ADH-OH-466-26-1 (विज्ञापन-घर के बाहर)	अंधेरी स्टेशन पर LCD/LED लगाकर विज्ञापन दिखाने के लिए थोक विज्ञापन अधिकार	1826	23-01-26 15:30:00
	ऊपर एंट्री/एग्जिट गेट, पश्चिम दिशा, साइज़ 20' X 10'(1), कुल विज्ञापन क्षेत्र 200 वर्ग फुट, 5 साल की अवधि के लिए			

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर:-02267644212, ईमेल ID:-acmadvtgbct@gmail.com
नोट: जो लोग बोली लगाना चाहते हैं, उनसे निवेदन है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के हिसाब से डिटेल्स वहाँ बताए गए कैटलॉग में मौजूद हैं।
0981
हमें लाइक करें: : facebook.com/WesternRly • हमें फालो करें:: X.com/WesternRly

संपादकीय

धर्म के नाम पर हत्या और लोकतंत्र की क्षति

हाल ही में बांग्लादेश में एक और हिन्दू नागरिक की हत्या की खबरें सामने आई हैं, जो भारत सहित पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। किसी भी देश में किसी व्यक्ति की जान केवल उसकी धार्मिक पहचान के कारण ली जाना न केवल मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा प्रहार भी है। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है—कानून के समक्ष समानता, विचार और आस्था की स्वतंत्रता तथा अल्पसंख्यकों की सुरक्षा। जब धर्म के नाम पर हत्या होती है, तो यह केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता और राज्य की संवैधानिक प्रतिबद्धता की हत्या होती है। धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है। इतिहास गवाह है कि जब भी धर्म को सत्ता, राजनीति या राष्ट्र-निर्माण का एकमात्र आधार बनाया गया, तब विभाजन, हिंसा और अस्थिरता ने जन्म लिया। दक्षिण एशिया इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। 1947 में भारत का विभाजन धार्मिक आधार पर हुआ। पाकिस्तान एक इस्लामिक राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया, लेकिन वहाँ धार्मिक पहचान की राजनीति ने समय के साथ आंतरिक टकराव को बढ़ाया। परिणामस्वरूप 1971 में बांग्लादेश का निर्माण हुआ। बांग्लादेश की मुक्ति संग्राम की आत्मा भाषाई और सांस्कृतिक अस्मिता थी, न कि धर्म। इसके बावजूद आज वहाँ अल्पसंख्यक हिन्दुओं, बौद्धों और ईसाइयों के विरुद्ध हिंसा की घटनाएँ लोकतांत्रिक आदर्शों पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। मध्य-पूर्व और उसके आसपास के क्षेत्र भी इस सच्चाई की पुष्टि करते हैं। अफगानिस्तान में कट्टर धार्मिक शासन ने दशकों तक हिंसा, महिलाओं के अधिकारों का दमन और अंतरराष्ट्रीय अलगाव को जन्म दिया। ईरान में धर्म-आधारित सत्ता संरचना ने असहमति की आवाज़ों को कुचलने का काम किया, जिससे सामाजिक तनाव बढ़ा। इन देशों में लोकतंत्र की जड़ें कमजोर पड़ीं क्योंकि नागरिकों की पहचान नागरिक होने से पहले धार्मिक बना दी गई। धर्म के नाम पर बने या धर्म-प्रधान राष्ट्रों की एक साझा समस्या रही है—अल्पसंख्यकों की असुरक्षा। जब राज्य किसी एक धर्म को प्राथमिकता देता है, तो अन्य आस्थाओं के लोग स्वतः ही दूसरे दर्जे के नागरिक बन जाते हैं। इससे सामाजिक विश्वास टूटता है, कानून का डर खत्म होता है और भीड़तंत्र हावी हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में हत्या केवल अपराध नहीं रहती, बल्कि राजनीतिक संदेश बन जाती है, जो लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक संकेत है। इसके विपरीत, धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्रों का अनुभव बताता है कि विविधता को स्वीकार करने से ही स्थिरता और प्रगति संभव है। भारत, तमाम चुनौतियों के बावजूद, अपने संविधान में सभी धर्मों को समान सम्मान देता है। यही कारण है कि यहाँ लोकतांत्रिक ढाँचा जीवित है। जब भी भारत में धर्म के नाम पर हिंसा होती है, तो वह भी उतनी ही निंदनीय है और लोकतंत्र की कसौटी पर अस्वीकार्य है। यह स्पष्ट संदेश होना चाहिए कि धर्म किसी भी प्रकार की हिंसा का औचित्य नहीं बन सकता। आज वैश्विक समुदाय के लिए यह आवश्यक है कि वह धर्म-आधारित हिंसा के प्रति शून्य सहनशीलता अपनाए। किसी भी देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा उस देश की लोकतांत्रिक परिपक्वता का पैमाना होती है। बांग्लादेश सहित सभी राष्ट्रों को यह समझना होगा कि धर्म के नाम पर चुप्पी भी अपराध में भागीदारी के समान है। अंततः, यह याद रखना ज़रूरी है कि राष्ट्र धर्म से नहीं, नागरिकों से बनते हैं। जब नागरिक सुरक्षित, समान और सम्मानित होंगे, तभी लोकतंत्र जीवित रहेगा। धर्म यदि मानवता, करुणा और सह-अस्तित्व का संदेश दे, तो वह समाज को जोड़ता है; लेकिन जब वही धर्म राजनीति और हिंसा का औज़ार बन जाए, तो वह राष्ट्र को भीतर से खोखला कर देता है। यही इतिहास का सबक है, और यही वर्तमान की चेतावनी।

चुनाव और मानवीय पतन

लोकतंत्र पर एक चिंतन

- धीरज सिंह

चुनाव लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। यह केवल सत्ता के हस्तांतरण का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की आकांक्षाओं, विचारों और नैतिक मूल्यों का आईना है। परंतु आजकल हमारे देश के चुनाव इस आदर्श से बहुत दूर दिखाई देते हैं। लगभग सभी राजनीतिक दल शाम, दाम, दंड और भेद के रास्ते पर चलते दिख रहे हैं। सत्ता पाने के लिए पैसे, डर और भेदभाव का इस्तेमाल किया जाता है। इसका सीधा असर समाज, मानवता और हमारे जीवन मूल्यों पर पड़ता है। जब चुनाव केवल स्वार्थ, लालच और सत्ता के लिए खेल बन जाता है, तो समाज का विश्वास लोकतंत्र पर कमजोर पड़ता है। जनता यह देखती है कि सच, न्याय और ईमानदारी से कुछ हासिल नहीं होता। इसके बजाय केवल चालाकी, डर और पैसा ही सफलता दिलाता है। युवा पीढ़ी जो राजनीति और समाज की सेवा को आदर्श मानकर आगे बढ़ रही है, वह निराश होती है। उनके लिए ईमानदारी और मेहनत का कोई महत्व नहीं बचता। यही कारण है कि हमारे समाज में असमानता, घृणा और मतभेद बढ़ते हैं, और मानवता की सबसे बड़ी मूलभूत भावना – सहयोग और समानता – कमजोर पड़ जाती है। चुनाव में इस तरह का व्यवहार केवल राजनीति को ही भ्रष्ट नहीं करता; यह मानव चरित्र का पतन भी है। जब हर दल सत्ता पाने के लिए जनता को विभाजित करता है, डराता है या खरीदने की कोशिश करता है, तो यह दर्शाता है कि नैतिकता केवल एक विकल्प बनकर रह गई है। समाज में भरोसा टूटता है, लोग केवल स्वार्थ की दृष्टि से निर्णय लेने लगते हैं, और लोकतंत्र की आत्मा धीरे-धीरे मरने लगती है। हमें यह भी समझना होगा कि मानव जीवन बहुत छोटा है। समय सीमित है, और जीवन की वास्तविकता यही है कि हर क्षण अनमोल है। इस छोटे से जीवन को केवल स्वार्थ और छल-प्रपंच में व्यर्थ करना हमारे लिए और आने वाली पीढ़ियों के लिए हानिकारक है। इतिहास हमेशा उन व्यक्तियों और समाजों को याद रखता है जिन्होंने अपने कर्मों से सही बदलाव लाया। ऐसे लोग सच्चे अर्थ में महान बनते हैं। वहीं जो केवल सत्ता, पैसों और छल-प्रपंच में फंसे रहते हैं, उनका नाम समय की धूल में खो जाता है। चुनाव एक जिम्मेदारी है। यह केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि हमारे देश, समाज और मानवता के लिए एक संदेश है। हर मतदाता का निर्णय भविष्य को आकार देता है। अगर हम केवल डर, लालच या जाति-धर्म के आधार पर वोट देते हैं, तो हम अपने देश और अपने भविष्य के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। परंतु यदि हम ईमानदारी, नैतिकता और सत्य के आधार पर चुनाव में भाग लेते हैं, तो हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं और समाज को सही दिशा दे सकते हैं। आज लगभग सभी राजनीतिक दल उसी गलत रास्ते पर चलते दिख रहे हैं। यह केवल सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि समाज के मूल्यों और नैतिकता की हत्या है। यह दर्शाता है कि लोकतंत्र के स्तंभ कमजोर हो रहे हैं और मानवीय चरित्र पतन की ओर बढ़ रहा है। अगर हम इसे रोकना चाहते हैं, तो केवल दूसरों पर आरोप लगाने से काम नहीं चलेगा। हमें अपने कर्मों, अपने वोट और अपने विचारों की जिम्मेदारी खुद लेनी होगी। यह याद रखना बेहद जरूरी है कि हमारे कर्म ही हमें भविष्य में याद दिलाएंगे। कोई भी सत्ता, पद या धन हमें कभी वास्तविक सम्मान नहीं दिला सकता। केवल वही लोग इतिहास में अमर होते हैं जिन्होंने अपने जीवन में ईमानदारी, सत्य और मानवता के लिए काम किया। लोकतंत्र तभी जीवित और सशक्त रह सकता है जब हम अपने कर्मों से इसे मजबूत करें। समापन में यही कहा जा सकता है कि चुनाव केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे जीवन और समाज का आईना है। यदि हम नैतिकता, न्याय और मानवता को नज़रअंदाज़ करेंगे, तो लोकतंत्र कमजोर होगा और हमारा समाज पतन की ओर जाएगा। जीवन छोटा है, समय सीमित है और हमारा कर्म ही हमारी पहचान है। इसलिए हमें अपने हर निर्णय, हर वोट और हर कर्म में सत्य, न्याय और मानवता को सर्वोपरि रखना होगा। तभी हम अपने समाज और देश को एक उज्ज्वल भविष्य दे सकते हैं और अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।

जीवन मंत्र

यह हमें मुश्किल समय में भी आगे बढ़ने की शक्ति देता है और हमें याद दिलाता है कि हम अकेले नहीं हैं। जब हम अपने जीवन को दूसरों की भलाई के लिए समर्पित करते हैं।

मानवता और प्रेम: जीवन की सच्ची ऊर्जा

जीवन केवल सांस लेने और समय बिताने तक सीमित नहीं है। जीवन का असली सार प्रेम और मानवता की सेवा में छुपा है। जब हम दूसरों के लिए सच्चा प्रेम और सहयोग करते हैं, तब हमारे जीवन में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है। यह ऊर्जा न केवल हमारी आत्मा को संतोष देती है, बल्कि हमारे आस-पास के लोगों को भी उज्जवल बनाती है। मानवता का प्रेम छोटे-छोटे कार्यों में प्रकट होता है। किसी की मदद करना, किसी की पीड़ा को समझना, या किसी को मुस्कुराने का कारण बनना—ये सब कार्य जीवन में खुशी और शक्ति भरते हैं। प्रेम और करुणा केवल दूसरों तक सीमित नहीं हैं; यह हमारे भीतर भी उजाला फैलाती है। जब हम दूसरों के लिए सोचते हैं, उनका सम्मान करते हैं और उनके साथ दया और सहानुभूति रखते हैं, तब हमारा जीवन असली अर्थ प्राप्त करता है। सच्चा प्रेम किसी भी भौतिक चीज़ या स्थिति से नहीं मापा जा सकता। यह मानवता के लिए समर्पण और

ईमानदारी में छुपा है। ऐसे प्रेम से जीवन में आशा और प्रेरणा उत्पन्न होती है। यह हमें मुश्किल समय में भी आगे बढ़ने की शक्ति देता है और हमें याद दिलाता है कि हम अकेले नहीं हैं। जब हम अपने जीवन को दूसरों की भलाई के लिए समर्पित करते हैं, तब हमारा जीवन न केवल अर्थपूर्ण बनता है, बल्कि समाज और दुनिया में भी सकारात्मक बदलाव आता है। मानवता और प्रेम की यह ऊर्जा अनंत है। इसे फैलाने से न केवल हम स्वयं उज्जवल बनते हैं, बल्कि यह प्रकाश पूरे समाज को रोशन करता है। इसलिए अपने जीवन में प्रेम और मानवता को हमेशा अपनाएँ। यही जीवन की सच्ची ऊर्जा है, और यही हमें सच में जीवित और शक्तिशाली महसूस कराती है।

शख्सियत | निकोला टेस्ला

आविष्कारों और मानवता के लिए प्रेरणा

निकोला टेस्ला का जन्म 10 जुलाई 1856 को ऑस्ट्रिया-हंगरी साम्राज्य के छोटे से गाँव स्मिलजान में हुआ। बचपन से ही टेस्ला में असाधारण जिज्ञासा और अनूठी सोच की क्षमता थी। वे छोटी-छोटी चीजों में भी रहस्य खोजते और हमेशा यह सोचते कि कैसे दुनिया को बेहतर बनाया जा सकता है। उनके दिमाग में हमेशा नए विचार और आविष्कारों के समाधान जन्म लेते रहते थे। यही जिज्ञासा और दृढ़ता उन्हें विज्ञान और आविष्कार की दुनिया का एक अद्वितीय सितारा बनाती है।

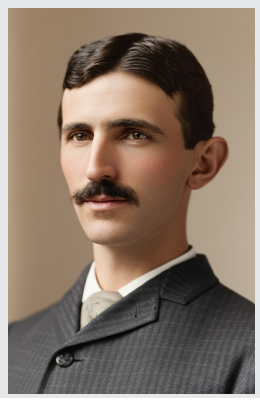

टेस्ला ने अपने करियर की शुरुआत यूरोप में की, लेकिन उन्होंने जल्दी महसूस किया कि उनके सपनों को पूरा करने के लिए अमेरिका बेहतर मंच है। 1884 में वे अमेरिका आए और थोड़े समय के लिए थॉमस एडिसन के साथ काम किया। हालांकि दोनों के दृष्टिकोण अलग थे, टेस्ला का लक्ष्य स्पष्ट था – दुनिया को विद्युत और तकनीक की नई दिशा देना। उनके आविष्कार विज्ञान की दुनिया में क्रांति लेकर आए। टेस्ला ने Alternating Current (एसी) विद्युत प्रणाली, जो आज भी बिजली वितरण का आधार है, का विकास किया। इसके अलावा उन्होंने टेस्ला कॉइल, रोटरी इंडक्शन मोटर, वैक्यूम ट्यूब और Wireless Energy (वायरलेस ऊर्जा) के सिद्धांत खोजे। उनके विचारों में वायरलेस संचार, वैश्विक रेडियो प्रणाली और रिमोट कंट्रोल जैसी तकनीकें शामिल थीं, जो आज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं। टेस्ला के इन आविष्कारों ने उद्योग, विज्ञान, संचार और घरेलू जीवन की दिशा ही बदल दी। टेस्ला केवल वैज्ञानिक नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी विचारक भी थे। उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि पृथ्वी की सीमित ऊर्जा का संरक्षण आवश्यक है और मानवता को स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ना चाहिए। उनके विचार आज भी ऊर्जा संकट और आधुनिक तकनीक के समाधान में प्रेरणा बने हुए हैं। उनका मानना था कि विज्ञान का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए होना चाहिए। उनका व्यक्तित्व भी प्रेरक था। टेस्ला सादगी और नैतिकता में विश्वास रखते थे। उन्होंने पैसों और प्रसिद्धि के लिए अपने विचारों का समझौता कभी नहीं किया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि यदि किसी चीज़ को सच्ची लगन, अनुशासन और धैर्य के साथ किया जाए, तो असंभव कुछ भी नहीं है। उनकी यह आदत कि वे हमेशा मानवता और ज्ञान की भलाई के लिए काम करते रहे, उन्हें आज भी महान बनाती है। टेस्ला का जीवन संघर्षपूर्ण और अकेलेपन से भरा रहा। कई बार उन्हें आर्थिक तंगी और आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनका जीवन यह संदेश देता है कि चुनौतियां केवल इंसान को मजबूत बनाती हैं। वे हमेशा कहते थे कि "वर्तमान दूसरों का है, लेकिन भविष्य, जिसके लिए मैंने वास्तविक प्रयास किया, मेरा है।" टेस्ला की सोच मानवता के प्रति गहरी चिंता और स्नेह से भरी थी। उन्होंने हमेशा यह सपना देखा कि उनके आविष्कार लोगों की जिंदगी आसान और बेहतर बनाएँ। उनके द्वारा सुझाए गए विचारों में स्वच्छ ऊर्जा, वैश्विक संचार और विज्ञान की पहुंच शामिल थी। वे यह समझते थे कि विज्ञान और आविष्कार का असली मूल्य केवल समाज और मानवता के लिए किया गया काम है। टेस्ला का निधन 7 जनवरी 1943 को हुआ। हालांकि वे हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनके आविष्कार, दृष्टि और विचार आज भी दुनिया को रोशन कर रहे हैं। उनके जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि अगर हम अपने ज्ञान, लगन और नवाचार के माध्यम से काम करें, तो किसी भी चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है।

जीवन ऊर्जा | निकोलस केज : जन्म 7 जनवरी 1964 | जन्म

लोकप्रिय होने से ज़्यादा सच्चा होना चाहता हूं

निकोलस केज का जन्म 7 जनवरी 1964 को अमेरिका में हुआ। वे प्रसिद्ध हॉलीवुड अभिनेता और ऑस्कर विजेता हैं। अपने प्रयोगधर्मी अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई यादगार फिल्में कीं।

मैं अभिनय को यथार्थ की नकल नहीं, बल्कि अतियथार्थ की खोज मानता हूं, जहां भावनाएं सामान्य सीमाओं से आगे जाकर सच्चाई को उजागर करती हैं। मैं हर भूमिका में खुद को पूरी तरह झोंक देता हूं, क्योंकि आधा-अधूरा प्रयास कला के साथ बेईमानी है, चाहे लोग उसे स्वीकार करें या नहीं। असफलता से डरने वाला कलाकार कभी नया नहीं कर सकता, इसलिए जोखिम लेना मेरे लिए डर नहीं बल्कि ज़रूरत है। कला सुरक्षित रास्तों पर नहीं चलती, वह अनजान मोड़ों से होकर गुजरती है। अभिनय मेरे लिए केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जुनून और आत्मा की अभिव्यक्ति है। हर फिल्म मेरे लिए एक प्रयोग है, जिसमें मैं खुद को तोड़ता और फिर से गढ़ता हूं। मैं लोकप्रिय होने से ज़्यादा सच्चा होना चाहता हूं, क्योंकि सच्चाई देर से ही सही, लेकिन असर ज़रूर छोड़ती है। कभी-कभी सबसे अजीब और असामान्य विकल्प ही सबसे ईमानदार साबित होते हैं। अगर लोग मेरे अभिनय को तुरंत समझ न भी पाएं, तब भी मैं उसे पूरी ईमानदारी से करता हूं, क्योंकि समय अक्सर कला का सही मूल्यांकन करता है। मैं अपने डर, अपनी कमजोरियों और अपने संघर्षों को अभिनय में बदल देता हूं। कला का उद्देश्य आराम देना नहीं, बल्कि सोच को झकझोरना और चुनौती देना होना चाहिए। मैं अभिनय में तय सीमाओं को नहीं मानता, क्योंकि सीमाएं रचनात्मकता

को रोकती हैं। हर किरदार मुझे जीवन का एक नया पहलू सिखाता है। मैं आलोचनाओं से नहीं, अपनी अंतरात्मा से निर्देश लेता हूं। अभिनय मेरे लिए आत्म-अभिव्यक्ति का सबसे शक्तिशाली माध्यम है, जहां मैं वह कह सकता हूं जो शब्दों में संभव नहीं। सुरक्षित अभिनय मुझे उबाऊ लगता है, क्योंकि उसमें खोज नहीं होती। मैं वही करता हूं जो मुझे भीतर से सही लगता है। कभी-कभी अतिशयोक्ति ही सच्चाई को सबसे स्पष्ट रूप में सामने लाती है। मेरे लिए अभिनय पहले कला है, बाद में व्यापार। अगर आप अलग नहीं हैं, तो दुनिया आपको याद रखने की कोई वजह नहीं पाएगी।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

भगवान की भक्ति की अनोखी कहानी

बहुत समय पहले एक छोटे से गांव में रामदास नाम का एक साधारण किसान रहता था। वह पढ़ा-लिखा नहीं था और शास्त्रों का ज्ञान भी नहीं रखता था, लेकिन उसका हृदय भगवान कृष्ण की भक्ति से भरा हुआ था। रामदास हर दिन सुबह खेत जाने से पहले मिट्टी की छोटी मूर्ति के सामने बैठकर बस इतना कहता—"कान्हा, आज भी मेरे साथ खेत चलना।" गाँव वाले उसकी इस भक्ति का मजाक उड़ाते। कहते—"अरे रामदास, भगवान खेत में क्या करेंगे।" लेकिन रामदास मुस्कुरा कर उत्तर देता—"जो मेरे साथ दुख में है वही भगवान है।" एक साल गाँव में भयानक सूखा पड़ा। सभी की फसल सूख गई और लोग परेशान हो गए। लेकिन रामदास के खेत में हरियाली देख कर लोग हैरान रह गए। गाँव के मुखिया ने पूछा—"ये कैसे संभव है?" रामदास ने कहा—"मैं अकेला नहीं था, कान्हा मेरे साथ हल चलाते थे।" लोग पहले हँसे, लेकिन उसी रात कई लोगों ने स्वप्न में देखा कि नीले वस्त्रधारी बालक खेत में पसीना बहा रहा है। अगले दिन सभी रामदास के चरणों में गिर पड़े। रामदास ने विनम्रता से कहा—"मैं बड़ा भक्त नहीं हूँ, पर जिसने खुद को भगवान को सौंप दिया, भगवान उसका भार खुद उठा लेते हैं।"

एक और घटना भक्ति की पराकाष्ठा को दर्शाती है। एक बार भगवान श्रीकृष्ण स्वयं रामदास के घर पधारे। उन्होंने रामदास से पूछा—"ये घर किसका है?" रामदास ने तुरंत उत्तर दिया—"प्रभु, आपका।" फिर भगवान ने पूछा—"ये गाड़ी किसकी है?" रामदास ने फिर वही उत्तर दिया—"आपकी, प्रभु।" भगवान श्रीकृष्ण हर एक वस्तु के बारे में पूछते गए—खाद्य सामग्री, घर के सदस्य, जानवर—और हर बार रामदास का उत्तर एक ही था—"आपकी, प्रभु।" अंत में भगवान ने रामदास से पूछा—"और तेरा शरीर किसका है?"

रामदास की आँखों में आँसू भर आए और रुंधे गले से बोला—"सिर्फ यह ही मेरा है, प्रभु। बाकी सब आपका है।"

भगवान श्रीकृष्ण ने उसकी भक्ति देखकर मुस्कुराते हुए रामदास का आशीर्वाद दिया। रामदास की यह सच्ची भक्ति यह दर्शाती है कि जब व्यक्ति अपने मन, शरीर और जीवन को पूरी तरह भगवान को सौंप देता है, तो भगवान स्वयं उसका भार उठा लेते हैं।

रामदास की कहानी यह सिखाती है कि भक्ति का मतलब केवल शब्दों में प्रार्थना करना नहीं है। असली भक्ति तब है जब हम हर पल, हर वस्तु और हर व्यक्ति में ईश्वर को देखें और अपने अहंकार को त्याग दें। जिस व्यक्ति का मन पूरी तरह ईश्वर में रम जाता है, उसके जीवन में सुख, शांति और सफलता स्वयं प्रवाहित हो जाती है।

इस प्रकार, रामदास की भक्ति और विश्वास ने न केवल उसके जीवन को धन्य किया, बल्कि पूरे गाँव को यह संदेश दिया कि भगवान की सच्ची शक्ति और कृपा केवल भक्ति में ही निहित है। अंततः यह कथा हमें यह भी याद दिलाती है कि ईश्वर हमेशा प्रेम और बंधुत्व के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। जब हम अपने जीवन में प्रेम, करुणा और सेवा को अपनाते हैं, तब न केवल हमारा जीवन उज्जवल बनता है, बल्कि पूरे समाज और दुनिया में भी प्रकाश फैलता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

'जेएनयू टुकड़े-टुकड़े गैंग, राहुल गांधी जैसी देश विरोधी मानसिकता वाले लोग, चाहे वह RJD हो, TMC हो, या वामदल हो उनका कार्यालय बन गया है। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह भारत है, यह 21 वीं सदी का नरेंद्र मोदी का भारत है। विवेकानंद ने कहा था कि भगवा ही होगा।

-गिरिराज सिंह
केंद्रीय मंत्री

'बांग्लादेश की स्थिति, विशेष रूप से वहां हिंदुओं के साथ जो हो रहा है, वह हमारे लिए चिंता का विषय है। हिंदू लोगों पर हमले दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं, स्थिति चिंताजनक हो गई है। इसका असर असम में भी महसूस किया जा सकता है। हमें सतर्क और जागरूक रहने

-हिमंता बिस्व सरमा
सीएम, असम

EC, SIR कराने के लिए सभी तरह की गलत चालें चल रहा है। यह योग्य मतदाताओं को 'मृतक' के रूप में चिह्नित कर रहा है और बुजुर्गों, बीमारों और अस्वस्थ लोगों को सुनवाई में शामिल होने के लिए मजबूर कर रहा है।

-ममता बनर्जी
सीएम, पश्चिम बंगाल

पीडीए समाज की एकता चेतना और अधिकारों की लड़ाई समाजवादी आंदोलन की आत्मा रही है। ऐसे में यह पंचांग समाज को उसके महापुरुषों उनके विचारों और संघर्षों से जोड़ने का काम करेगा। समाजवादी पीडीए पंचांग 2026 इसी उद्देश्य को पूरा करता है।

-अखिलेश यादव
सपा अध्यक्ष

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

एलटीटी मुंबई स्टेशन यार्ड में रखरखाव कार्य के लिए ट्रैफिक ब्लॉक

मुंबई। एलटीटी (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) मुंबई स्टेशन यार्ड में मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के चलते सेंट्रल रेलवे द्वारा ट्रैफिक ब्लॉक लिया जा रहा है, जिसका असर सोलापुर डिवीजन के स्टेशनों से चलने वाली कुछ ट्रेनों पर पड़ेगा। इस दौरान ट्रेन नंबर 01435 सोलापुर–LTT मुंबई साप्ताहिक स्पेशल JCO 06, 13, 20 और 27 जनवरी 2026 को रद्द रहेगी, जबकि ट्रेन नंबर 01436 LTT मुंबई–सोलापुर साप्ताहिक स्पेशल JCO 07, 14, 21 और 28 जनवरी 2026 को निरस्त रहेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पहले अपडेटेड जानकारी प्राप्त कर लें।

क्षत्रिय समाज चैरिटेबल ट्रस्ट के कैलेंडर का हुआ विमोचन

ठाणे। क्षत्रिय समाज चैरिटेबल ट्रस्ट के कार्यालय में कैलेंडर विमोचन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें संस्था के संस्थापक एडवोकेट विनय कुमार सिंह ने संगठन की विचारधारा, उद्देश्य और भावी कार्ययोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों, पदाधिकारियों और मार्गदर्शकों ने समाज को जोड़ने, आपसी सहयोग बढ़ाने, गलतफहमियों को दरकिनार कर भाईचारा मजबूत करने और संगठन को सशक्त व व्यापक बनाने की सामूहिक शपथ ली। संस्था के मार्गदर्शकों सहित सभी पदाधिकारियों ने संगठन को आगे बढ़ाने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट की ओर से रणधीर सिंह के प्रति विशेष आभार प्रकट किया गया तथा सभी समाजबंधुओं से तन–मन–धन से जुड़कर समाज के उत्थान में सहभागी बनने का आह्वान किया गया।

31 मार्च 2026 तक छुट्टियों में भी खुले रहेंगे प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन सेंटर

ठाणे। प्रॉपर्टी टैक्स धारकों को टैक्स भरने में सुविधा देने के उद्देश्य से मनपा के सभी वार्ड और सब-वार्ड स्तर के टैक्स कलेक्शन सेंटर 31 मार्च 2026 तक छुट्टियों में भी खुले रहेंगे, यह जानकारी आयुक्त सौरभ राव ने दी। उन्होंने बताया कि जो टैक्स धारक सीधे वार्ड कार्यालय में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करते हैं, उन्हें इसका लाभ मिलेगा। टैक्स कलेक्शन सेंटर और हेड ऑफिस सभी शनिवार, रविवार और सार्वजनिक छुट्टियों में (3 मार्च 2026 को धूलि वंदना के कारण अवकाश रहेगा) शनिवार व छुट्टियों के दिन सुबह 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक तथा रविवार को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक चालू रहेंगे। वहीं, प्रॉपर्टी टैक्स के ऑनलाइन भुगतान के लिए मनपा की वेबसाइट www.thanecity.gov.in पर ई-सुविधा भी उपलब्ध है। उपायुक्त (टैक्स) जी.जी. गोदापुरे ने बताया कि वार्ड कार्यालयों के सभी कलेक्शन सेंटरों पर भी प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान स्वीकार किया जा रहा है।

'मताधिकार' ऐप से एक क्लिक पर पोलिंग स्टेशन की मिलेगी पूरी जानकारी

ठाणे। आगामी मनपा आम चुनावों को ध्यान में रखते हुए राज्य चुनाव आयोग मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी सही, पूरी और अपडेटेड जानकारी उपलब्ध कराने के लिए 'मताधिकार' मोबाइल ऐप लॉन्च कर रहा है। डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से तैयार यह ऐप मतदाताओं को घर बैठे सुविधा देने के उद्देश्य से बनाया गया है। प्ले स्टोर से ऐप डाउनलोड करने के बाद मतदाता अपने वोटर रजिस्ट्रेशन से संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उन्हें कार्यालयों के चक्कर लगाने या मतदाता सूची खोजने की जरूरत नहीं पड़ेगी। 'मताधिकार' ऐप में संबंधित मनपा, जिला, विधानसभा या वार्ड की बेसिक जानकारी भरते ही मतदाता को पोलिंग स्टेशन, EPIC (वोटर आईडी) नंबर, मतदान केंद्र का पूरा पता, मतदान की तारीख और समय जैसी जानकारी एक क्लिक पर मिल जाएगी।

आरपीएफ पुणे मंडल का सालाना रिपोर्ट कार्ड

अपराध नियंत्रण से रेस्क्यू ऑपरेशन तक प्रभावी भूमिका

डीबीडी संवाददाता | पुणे

पुणे मंडल के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने वर्ष 2025 में यात्री सुरक्षा और मानवीय सेवा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आरपीएफ द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बल ने न केवल अपराधों पर नियंत्रण पाया है, बल्कि यात्रियों के लिए एक भरोसेमंद रक्षक की भूमिका भी बखूबी निभाई है।

'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते': 423 बच्चों को मिला नया जीवन

आरपीएफ पुणे ने ₹ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते₹ के तहत वर्ष 2025 में मानवीय संवेदना की मिसाल पेश की। इस अभियान के माध्यम से घर से भागकर आए या बिछड़े हुए 423 बच्चों को सुरक्षित बचाया गया। पिछले वर्ष (2024) की तुलना में, जब 310 बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया गया था, इस वर्ष सफलता की दर में 36.45 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई है।

महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान

महिला यात्रियों की सुरक्षा आरपीएफ की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रही है। ऑपरेशन महिला सुरक्षा के तहत महिला कोच में अवैध रूप से यात्रा करने वाले पुरुषों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया। वर्ष 2025 में 1,478 व्यक्तियों पर कार्रवाई कर 5,48,850 रुपये का जुर्माना वसूला गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 253 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी है।

'मेरी सहेली': अकेली महिला यात्रियों का संबल

अकेले सफर करने वाली महिलाओं में सुरक्षा का भाव पैदा करने के लिए ₹मेरी सहेली₹ अभियान को और विस्तार दिया गया। इस वर्ष आरपीएफ की टीमों ने 967 ट्रेनों को अटेंड किया और लगभग 21,115 महिला यात्रियों से सीधा संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। यह पहल महिला सशक्तिकरण और सुरक्षित यात्रा की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

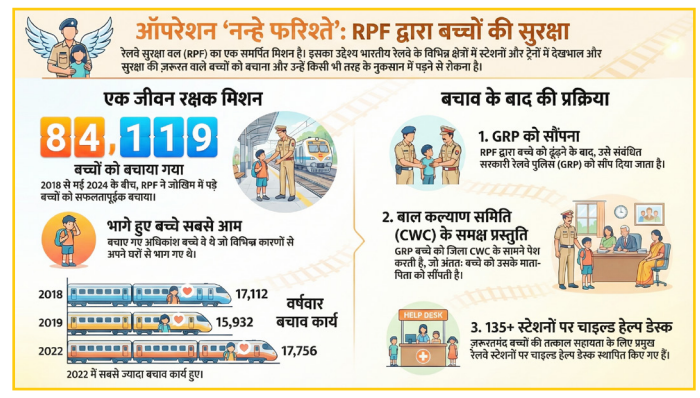

'ऑपरेशन अमानत': यात्रियों को लौटाया लाखों का सामान

अक्सर जल्दबाजी में यात्री अपना कीमती सामान ट्रेनों या स्टेशनों पर भूल जाते हैं। ₹ऑपरेशन अमानत₹ के तहत आरपीएफ ने वर्ष 2025 में 237 यात्रियों का लगभग 74.55 लाख रुपये मूल्य का सामान बरामद कर उन्हें वापस लौटाया। 2024 के मुकाबले (45.75 लाख रुपये) बरामदगी के मूल्य में 25.39 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जो बल की ईमानदारी और तत्परता को सिद्ध करता है।

'ऑपरेशन जीवन रक्षा': देवदूत बनकर बचाईं जिंदगियाँ

स्टेशनों पर चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने के दौरान होने वाले हादसों को रोकने में आरपीएफ कर्मियों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। ₹ऑपरेशन जीवन रक्षा₹ के तहत अपनी जान जोखिम में डालकर जवानों ने 12 यात्रियों को मौत के मुंह से बाहर निकाला। वर्ष 2024 में यह संख्या 7 थी, जो आरपीएफ की मुस्तैदी में आई 71 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है।

तकनीक और सतर्कता का बेहतर तालमेल

पुणे मंडल आरपीएफ की इन उपलब्धियों के पीछे आधुनिक तकनीक और जमीनी सतर्कता का बेहतर तालमेल रहा है। सीसीटीवी निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों के माध्यम से मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर सुरक्षा तंत्र को पहले से कहीं अधिक मजबूत बनाया गया है। इससे अपराधियों में भय और यात्रियों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है।

अटूट प्रतिबद्धता और भविष्य का संकल्प

आरपीएफ पुणे मंडल ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सेवा, सम्मान और रेल संपत्ति की सुरक्षा उनके लिए सर्वोपरि है। वर्ष 2025 के ये आंकड़े बल के समर्पण की कहानी कहते हैं। आरपीएफ ने भविष्य में भी इसी संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ अपनी सेवाएं जारी रखने और यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाने का संकल्प दोहराया है।

चोरी की घटनाओं पर लगाम: 'तेजस्विनी टीम' का एक्शन

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत आरपीएफ की विशेष 'तेजस्विनी टीम' ने सक्रिय अपराधियों पर नकेल कसी। वर्ष 2025 में यात्री सामान चोरी के 118 मामलों का पर्दाफाश करते हुए 149 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा गया। पिछले वर्ष की तुलना में मामलों को सुलझाने की दर में 81.53 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

कांदिवली-बोरीवली के बीच 30 दिनों का मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे के कांदिवली-बोरीवली सेक्शन के बीच बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और छठी लाइन के निर्माण कार्य को गति देने के लिए रेलवे ने एक महीने लंबे बड़े ब्लॉक की घोषणा की है। यह ब्लॉक 20 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 18 जनवरी 2026 तक जारी रहेगा, जिससे मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों सहित लंबी दूरी की ट्रेनों के परिचालन पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, कांदिवली में अप फास्ट लाइन पर 'पॉइंट समावेशन' और अन्य तकनीकी कार्यों के लिए 07/08 जनवरी और 08/09 जनवरी 2026 की मध्यरात्रि को विशेष मेजर ब्लॉक लिए जाएंगे। 7 जनवरी की रात अप फास्ट लाइन पर मध्यरात्रि से सुबह 05:30 बजे तक और डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 से 04:30 बजे तक काम चलेगा। इसके अगले दिन भी पॉइंट्स इनसर्शन और डिसमेंटल के कार्य के कारण देर रात से सुबह तक ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित रहेगी।

लोकल और मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों पर असर

इस निर्माण कार्य और गति प्रतिबंधों के चलते कई उपनगरीय (लोकल) ट्रेनों को निरस्त किया गया है। वहीं, कुछ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है या उन्हें रेगुलेट (रोककर चलाना) किया जा रहा है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले आधिकारिक समय-सारणी की जांच अवश्य कर लें, क्योंकि छठी लाइन के इस महत्वपूर्ण कार्य के दौरान ट्रेनों की सामान्य गति और फ्रीक्वेंसी में कमी आ सकती है।

शॉर्ट टर्मिनेट और ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें

ब्लॉक के कारण अहमदाबाद और नंदुरबार की ओर जाने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों के रूट में कटौती की गई है। 7 जनवरी 2026 को यात्रा शुरू करने वाली नंदुरबार-बोरीवली एक्सप्रेस (19426) और अहमदाबाद-बोरीवली एक्सप्रेस (19418) वसई रोड स्टेशन पर ही अपनी यात्रा समाप्त करेंगी। इसी तरह, वापसी में बोरीवली-अहमदाबाद एक्सप्रेस (19417) और बोरीवली-नंदुरबार एक्सप्रेस (19425) बोरीवली के बजाय वसई रोड स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू करेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने इन बदलावों की सूचना स्टेशनों पर प्रसारित करना शुरू कर दिया है।

मध्य रेल के 11 जांबाज कर्मचारियों को मिला संरक्षा पुरस्कार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के ऐतिहासिक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर आयोजित इस समारोह में महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने मुंबई, पुणे, भुसावल और नागपुर मंडल के 11 कर्मचारियों को पदक, प्रशंसा पत्र और 3500 का नकद पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार उन कर्मचारियों को दिया गया जिन्होंने अपनी ड्यूटी के दौरान पैनी नजर और त्वरित सूझबूझ दिखाकर संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भुसावल मंडल

भुसावल मंडल से आरपीएफ हेड कांस्टेबल सरिता मोरे ने नासिक रोड स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस में चढ़ते समय गिर रहे एक यात्री की जान बचाकर मानवीय साहस का परिचय दिया। इसी मंडल के सहायक लोको पायलट एच.के. वर्मा और ट्रैक मेंटेनर किशोर रमेश निकम ने ट्रेन के टूटे हुए स्प्रिंग और फिशप्लेट की खराबी का समय पर पता लगाकर परिचालन सुरक्षा सुनिश्चित की।

पुणे मंडल

पुणे मंडल में भी रेल कर्मचारियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से संभावित हादसों को टाल दिया गया। 2 दिसंबर 2025 को दौंड यार्ड में ट्रैक मेंटेनर गणेश नमाने ने गुजर रही मालगाड़ी के ब्रेक असेंबली पैनल रॉड के खिसककर धुरी पर गिरने से उत्पन्न असामान्य ध्वनि को पहचानते हुए तुरंत ट्रेन रोकने का संकेत दिया और अधिकारियों को सूचित किया। इसी दिन उरुली में ट्रैक मेंटेनर सुभाष सुरेश मंडल ने डाउन साइड पर किलोमीटर 210/840 पर रेल वेल्डिंग टूटी हुई देखी और तत्काल सूचना देकर कार्रवाई करवाई। वहीं 16 दिसंबर 2025 को दौंड में तकनीशियन (सी एंड डब्ल्यू) आलोक वर्मा ने मालगाड़ी की रोलिंग जांच के दौरान एक वैगन के सीबीसी प्रोजेक्शन में गड़बड़ी और फ्रंट फॉलोअर प्लेट टूटी होने का पता लगाया, जिससे समय रहते सुधारात्मक कदम उठाए गए और एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

मुंबई मंडल

मुंबई मंडल में ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों की सतर्कता ने कई संभावित हादसों को टालने में अहम भूमिका निभाई। 1 दिसंबर 2025 को कल्याण में ट्रैक मेंटेनर बस्तीराम अव्हाड ने किलोमीटर 110/27 पर ओएचई मस्त के झुके होने की जानकारी तुरंत अधिकारियों को दी, वहीं 20 नवंबर 2025 को ठाणे में हेल्पर (एस एंड टी) विवेक कुमार ने किलोमीटर 31/62 पर रेल पटरी में दरार देखी और समय रहते सूचना देकर कार्रवाई करवाई। इसी तरह 9 दिसंबर 2025 को दादर में विद्युत सिग्नल मेंटेनर संतोष जाधव ने किलोमीटर 8/34 पर तथा 18 नवंबर 2025 को कुर्ला में विद्युत सिग्नल मेंटेनर बिजेंद्र कुमार राय ने किलोमीटर 23/13 पर रेल पटरी में दरार देखी, जिसकी तत्काल सूचना दिए जाने से आवश्यक कदम उठाए गए और संभावित दुर्घटनाओं को सफलतापूर्वक टाल दिया गया।

अनरिजर्व्ड टिकटों पर 3% की विशेष छूट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने RailOne ऐप पर अनरिजर्व्ड (अनारक्षित) टिकटों की बुकिंग के लिए आकर्षक इंसेंटिव योजना शुरू की है। अब यात्री यदि R-वॉलेट को छोड़कर किसी भी अन्य डिजिटल पेमेंट मोड (जैसे UPI, डेबिट/क्रेडिट कार्ड या नेट बैंकिंग) का उपयोग करते हैं, तो उन्हें टिकट बुकिंग पर 3% की सीधी छूट दी जाएगी। यह कदम कैशलेस पेमेंट को अधिक सुलभ और सस्ता बनाने के लिए उठाया गया है, जिससे यात्रियों को लंबी लाइनों से मुक्ति के साथ आर्थिक लाभ भी मिलेगा।

R-वॉलेट उपयोगकर्ताओं के लिए निरंतर लाभ

वे यात्री जो पहले से ही R-वॉलेट का उपयोग कर रहे हैं, उनके लिए भी लाभ जारी रहेंगे। RailOne ऐप पर R-वॉलेट के जरिए टिकट बुक करने पर यात्रियों को वर्तमान की तरह ही 3% का बोनस कैशबैक मिलता रहेगा। इस प्रकार, रेलवे ने यह सुनिश्चित किया है कि चाहे यात्री वॉलेट का उपयोग करें या सीधे डिजिटल भुगतान का, उन्हें 3% का फायदा हर हाल में मिले। यह दोहरी रणनीति टिकटिंग इकोसिस्टम को अधिक पारदर्शी, तेज और यूजर-फ्रेंडली बनाने के लिए तैयार की गई है।

योजना की अवधि और रेलवे का विज़न

यह विशेष डिजिटल इंसेंटिव स्कीम 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक प्रभावी रहेगी। RailOne ऐप का लक्ष्य केवल टिकट बुकिंग ही नहीं, बल्कि एक 'स्मार्ट और सुरक्षित' यात्रा अनुभव प्रदान करना है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इन 6 महीनों की अवधि के दौरान अधिक से अधिक डिजिटल माध्यमों का उपयोग करें। यह पहल भारतीय रेलवे के डिजिटल सशक्तिकरण और यात्रा को सुगम बनाने के व्यापक विज़न का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मतदान प्रक्रिया पर दूसरे प्रशिक्षण का आयोजन

ओपी यादव | वसई

वसई-विरार नगर निगम चुनाव 2026 की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। आगामी 15 जनवरी को होने वाले मतदान को त्रुटिरहित संपन्न कराने के लिए नगर निगम ने अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण का दूसरा महत्वपूर्ण चरण शुरू कर दिया है। आयुक्त और मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में 8 जनवरी 2026 को दूसरे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर संबंधित निर्वाचन निर्णय अधिकारी कार्यालयों द्वारा निर्धारित स्थानों पर संपन्न होगा। इस चरण की सबसे खास बात यह है कि इसमें मतदान अधिकारियों को केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) चलाने का व्यावहारिक (Practical) प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। पहले प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे कर्मचारियों के लिए 4 जनवरी को विशेष शिविर आयोजित कर उन्हें मुख्य धारा में शामिल किया गया था, ताकि चुनावी प्रक्रिया में कोई बाधा न आए।

अनुपस्थित रहने वालों पर आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति बेहद सख्त रुख अपनाया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव ड्यूटी और प्रशिक्षण से जी चुराना न केवल अनुशासनहीनता है, बल्कि कानून का भी गंभीर उल्लंघन है। अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 134 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, दोषी पाए जाने वाले कर्मियों के विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही शुरू करने का भी प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिससे प्रशासन की चुनाव के प्रति गंभीरता का पता चलता है। नगर निगम ने सभी नियुक्त कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे इस संगठित प्रशिक्षण शिविर में अनिवार्य रूप से भाग लेकर अपनी जिम्मेदारियों को समझें। शिविर में उपस्थित विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के माध्यम से कर्मचारी मतदान केंद्र के संचालन से जुड़े अपने सभी संदेहों को दूर कर सकेंगे।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों में संलग्न होने से सुयश एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा।

वृष रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा। संतान के कार्यों पर नजर रखें। पूँजी निवेश बढ़ेगा। प्रचार-प्रसार से दूर रहें।

मिथुन राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। व्यापार में नई योजनाएँ बनेंगी।

कर्क क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दुःखद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें। प्रयासों में सफलता के योग कम हैं। परिवार में कलह-कलेश का माहौल रह सकता है।

सिंह मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता बढ़ेगी। व्यापार में कार्य का विस्तार होगा। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कन्या मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अभिष्ट कार्य की सिद्धि के योग हैं।

तुला यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी। प्रयास की मात्रा के अनुसार लाभ की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें। उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें। विवादों से दूर रहना चाहिए।

धनु नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ अधिकाधिक लेना चाहिए। नवीन उपलब्धियों की प्राप्ति संभव है।

मकर नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। व्यवहार कुशलता एवं सहनशीलता के बल पर आने वाली बाधाओं का समाधान हो सकेगा।

कुंभ कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नेतृत्व गुण की प्रधानता के कारण प्रशासन व नेतृत्व संबंधी कार्य सफल होंगे।

मीन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ के योग हैं। स्थायी संपत्ति क्रय करने के योग बनेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से भेंट होगी।

जीवन के हर पहलू का ज्योतिषीय रहस्य

प्रियंका जैन
9769994439

वैदिक ज्योतिष में कुंडली को मानव जीवन का दर्पण माना गया है और इस कुंडली के बारह भाव जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक भाव का एक स्वामी ग्रह होता है, जो उस भाव पर अधिकार रखता है, वहीं एक या अधिक कारक ग्रह भी होते हैं, जो उस भाव से जुड़े विषयों के स्वाभाविक संकेतक माने जाते हैं। भाव, स्वामी और कारक—इन तीनों के संयुक्त अध्ययन से व्यक्ति के स्वभाव, भाग्य, संघर्ष और उपलब्धियों की गहराई से व्याख्या की जाती है। कुंडली का पहला भाव लग्न भाव कहलाता है, जो व्यक्ति के शरीर, व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और जीवन की दिशा को दर्शाता है। इसका स्वामी ग्रह मंगल माना गया है, जबकि सूर्य इसका कारक ग्रह है। मंगल व्यक्ति को ऊर्जा, साहस और कर्मशीलता देता है, वहीं सूर्य आत्मबल, नेतृत्व और आत्मपहचान का प्रतीक है। यदि यह भाव और इसके ग्रह मजबूत हों तो व्यक्ति प्रभावशाली और आत्मविश्वासी बनता है। दूसरा भाव धन, परिवार, वाणी और संस्कारों से जुड़ा होता है। इसका स्वामी ग्रह शुक्र और कारक ग्रह गुरु माने गए हैं। शुक्र भौतिक सुख, सौंदर्य और पारिवारिक सामंजस्य देता है, जबकि गुरु ज्ञान, नैतिकता और समृद्धि का प्रतीक है। मजबूत दूसरा भाव व्यक्ति को मधुर वाणी, स्थिर धन और सुसंस्कृत परिवार प्रदान करता है।

तीसरा भाव पराक्रम, साहस, छोटे भाई-बहन, प्रयास और संचार का प्रतिनिधित्व करता है। इसका स्वामी ग्रह बुध और कारक ग्रह मंगल है। बुध बुद्धि, तर्क और संवाद क्षमता देता है, जबकि मंगल साहस और संघर्ष की शक्ति प्रदान करता है। यह भाव व्यक्ति को मेहनती, निर्भीक और अपने प्रयासों से आगे बढ़ने वाला बनाता है।

चौथा भाव सुख, माता, गृह, संपत्ति और मानसिक शांति से जुड़ा है। इसका स्वामी और कारक दोनों ही चंद्रमा हैं। चंद्रमा मन, भावना और संवेदनशीलता का प्रतीक है। यदि यह भाव सशक्त हो तो व्यक्ति को पारिवारिक सुख, माता का सहयोग और आंतरिक शांति प्राप्त होती है।

पांचवां भाव बुद्धि, शिक्षा, संतान, प्रेम और पूर्व पुण्य का सूचक है। इसका स्वामी सूर्य और कारक ग्रह गुरु है। सूर्य आत्मबल और नेतृत्व देता है, जबकि गुरु ज्ञान, संतान सुख और सद्बुद्धि का प्रतीक है। यह भाव व्यक्ति की रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता को दर्शाता है।छठा भाव रोग, ऋण, शत्रु और संघर्ष से संबंधित होता है। इसका स्वामी ग्रह बुध और कारक ग्रह केतु माना गया है। बुध व्यक्ति को समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता देता है, वहीं केतु रोग, रहस्य और वैराग्य से जुड़ा है। यह भाव संघर्षों के बीच विजय की राह दिखाता है। सातवां भाव विवाह, जीवनसाथी, साझेदारी और समाज में संबंधों का प्रतिनिधित्व करता है। इसका स्वामी ग्रह शुक्र है और कारक ग्रह शुक्र तथा बुध माने जाते हैं। शुक्र प्रेम, आकर्षण और दांपत्य सुख देता है, जबकि बुध समझदारी और संवाद की भूमिका निभाता है। मजबूत सातवां भाव सफल वैवाहिक जीवन का संकेत देता है। आठवां भाव आयु, गूढ़ रहस्य, अचानक घटनाएं और परिवर्तन दर्शाता है। इसका स्वामी ग्रह मंगल और कारक ग्रह शनि, मंगल और चंद्रमा हैं। यह भाव जीवन के उतार-चढ़ाव और गहन अनुभवों से जुड़ा होता है। यहां ग्रहों की स्थिति व्यक्ति की सहनशक्ति और रहस्यमय प्रवृत्तियों को दर्शाती है।

न्यूज़ ब्रीफ

यूपी की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने विशेष पुनरीक्षण अभियान के बाद प्रदेश की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी है। इस सूची के अनुसार प्रदेश में कुल 12 करोड़ 55 लाख मतदाता दर्ज किए गए हैं, जबकि पूर्व सूची में यह संख्या 15 करोड़ 44 लाख थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि ड्राफ्ट सूची में 2 करोड़ 89 लाख नाम (लगभग 18 प्रतिशत) हटाए गए हैं। आम नागरिक भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर जाकर अपना नाम देख सकते हैं और यदि नाम छूट गया है या कोई त्रुटि है, तो 6 फरवरी तक दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। नवदीप रिणवा ने बताया कि पुरानी सूची में दर्ज मतदाताओं में से लगभग 81 प्रतिशत ने गणना प्रपत्र जमा किए, जबकि करीब 18 प्रतिशत लोग सत्यापन के लिए उपलब्ध नहीं हो सके। हटाए गए नामों में, 46.23 लाख मृत मतदाता, 2.17 करोड़ स्थानांतरित मतदाता, 25.47 लाख ऐसे मतदाता जिनका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज शामिल हैं।

बंसल कंपनी के कार्यालय से 23.46 लाख गायब

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में सड़क निर्माण कार्य करा रही बंसल कंपनी के एकाउंट कार्यालय से जरूरी कागजात और 23.46 लाख की नकदी गायब होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मंगलवार को कंपनी के प्रबंधक ने कार्यालय के प्लम्बर पर ही चोरी का शक जताते हुए सदर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। आगरा जनपद के किरावली थाना क्षेत्र के ब्राम्हण गली महुअर निवासी योगेंद्र शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह जनपद में बंसल कंट्रक्शन वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में प्रबंधक हैं। किड़ारी फाटक के आगे उनका कार्यालय है। 4 जनवरी की सुबह लगभग छह बजे कार्यालय का कर्मी साजन एकाउंट सेक्शन के कमरे में पहुंचा तो देखा की दरवाजे की कुंडी व अंदर अलमारी का गेट टूटा दिखा और सामान बिखरा पड़ा था। उसने घटना की जानकारी कंपनी के एकाउंटेंट रत्नेश धावक को दी।

वाराणसी रोपवे के गंडोला हिलने का वायरल वीडियो भ्रामक

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में निर्माणाधीन देश की पहली अर्बन ट्रांसपोर्ट रोपवे परियोजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। परियोजना का निर्माण कर रही नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) इन दिनों रोपवे के ट्रायल रन और तकनीकी परीक्षण कर रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें तेज हवा के झोंकों के कारण रोपवे का एक खाली गंडोला हिलता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में गंडोला के हिलने की तीव्रता देखकर सड़क से गुजर रहा एक बाइक सवार रुक जाता है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर रोपवे की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे। इस वायरल वीडियो को लेकर एनएचएलएमएल ने मंगलवार को स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा वीडियो पूरी तरह भ्रामक है और इसे गलत संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है।

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

पारिवारिक संपत्ति हस्तांतरण होगा आसान

परिवार के बीच दान विलेख पर स्टाम्प शुल्क में राहत

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में पारिवारिक संपत्ति हस्तांतरण को सरल बनाने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने परिवार के सदस्यों के बीच अचल संपत्ति के दान विलेख पर दी जा रही स्टाम्प शुल्क छूट के दायरे को बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब यह राहत केवल कृषि और आवासीय संपत्तियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि व्यावसायिक और औद्योगिक संपत्तियों पर भी लागू होगी। भारतीय स्टाम्प अधि नियम, 1899 के तहत अब तक दान विलेखों पर संपत्ति के मूल्य के अनुसार स्टाम्प शुल्क देय होता था।

हालांकि 3 अगस्त 2023 की अधिसूचना के माध्यम से परिवार के सदस्यों को दान की गई अचल संपत्ति पर अधिकतम 5,000 रुपये स्टाम्प शुल्क की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यह सुविधा केवल कृषि और आवासीय संपत्तियों तक सीमित थी। योगी कैबिनेट के ताजा फैसले के बाद अब शहर या गांव, किसी भी क्षेत्र में स्थित व्यावसायिक और औद्योगिक संपत्तियों के दान पर भी केवल 5,000 रुपये ही स्टाम्प शुल्क देना होगा। स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने बताया कि पहले पारिवारिक रिश्तों में संपत्ति हस्तांतरण पर सर्किल रेट के अनुसार सात प्रतिशत तक स्टाम्प शुल्क देना पड़ता था।

फतेहपुर पुलिस ने पांच चोरों को गिरफ्तार किया

एजेंसी । फतेहपुर

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में मंगलवार को पुलिस ने एक सप्ताह पहले चोरी हुए ट्राली व ट्रैक्टर को बरामद करते हुए पांच चोरों को हस्वा के पास से गिरफ्तार किया है। दो चोर मौके से भागने में सफल रहे। थाना थरियांव क्षेत्र के सराय सईद खां बिलंदा गांव निवासी कमलेश लोधी ने थाना में शिकायती पत्र देते हुए बताया था कि 29-30 दिसंबर 2025 को चोरों ने घर के सामने और दुकान के बगल में खड़े नए ट्रैक्टर चोरी कर ले गये थे। घटना के बाद से पुलिस लगातार ट्रैक्टर चोरों की तलाश कर रही थी, लेकिन पुलिस के हाथ कुछ भी नहीं लगा था।

रामनगरिया में आस्था के आगे बौनी दिखी शीतलहर

दिनभर गंगा स्नान और भजन पूजन

एजेंसी । फर्रुखाबाद

गंगातट पर स्थित पांचाल घाट पर लगी रामनगरिया में आस्था के ज्वार के सामने कड़ाके की ठंड बौनी साबित हो रही है। आज सकट चौथ पर्व के दिन बड़ी संख्या में कल्पवासियों, श्रद्धालुओं के साथ संत महात्माओं ने गंगा स्नान करने के बाद पूजन अर्चन कर पुण्य कमाया। मेला रामनगरिया में पंच दशनामी अखाड़े के अध्यक्ष सत्यगिरी महाराज ने संतों को ध्यान, साधना के गुर बताए। सत्यगिरी महाराज ने कहा कि भीषण शीतलहर हम सबकी परीक्षा ले रही है। हमारी आस्था के आगे यह शीतलहर कभी हरिभजन में रोड़ा नही बन सकती। सत्यगिरि महाराज ने कहा कि मनुष्य जब मर जाता है तो मरने के बाद तीन दिन तक आत्मा अपने पुराने शरीर में प्रवेश करने के लिए व्याकुल होती है, लेकिन उसे शरीर न मिलने के कारण वह बहुत परेशान होती है। इसके बाद वह अपने मूल रूप में आ जाती है।उन्होंने कहा कि आत्मा का आहार आनंद है। वह अपने आनंद को फिर प्राप्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह दूध के अंदर मक्खन छुपा हुआ है। दूध के सामने कोई साधक हाथ जोड़कर बैठ जाए तो वह मक्खन नहीं बन सकता।

योगी कैबिनेट की अहम बैठक

सेमीकंडक्टर निवेश को बड़ा प्रोत्साहन

नए बस स्टेशन और 500 बेड अस्पताल को मंजूरी

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में उत्तर प्रदेश के औद्योगिक, परिवहन, स्वास्थ्य और खेल क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में प्रदेश को निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र बनाने की दिशा में अहम फैसले लिए गए।

अंतर्गत सेमीकंडक्टर इकाइयों को ब्याज में रियायत

राज्य सरकार ने जनवरी 2024 में लागू सेमीकंडक्टर नीति के तहत 3,000 करोड़ रुपये या उससे अधिक के बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए केस-टू-केस आधार पर विशेष प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अमेरिका, यूरोप, जापान और ताइवान जैसे देशों में सेमीकंडक्टर उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और उत्तर प्रदेश को इस क्षेत्र में उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस नीति के अंतर्गत सेमीकंडक्टर इकाइयों को ब्याज में रियायत, प्रति यूनिट कार्मिक लागत सहायता, 10 वर्षों तक नेट SGST में छूट, यूपी मूल क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए 100% प्रति यूनिट प्रोत्साहन (अधिकतम 2,000 प्रतिमाह),जल मूल्य में छूट, 10 वर्षों तक प्रति यूनिट 2 बिजली बिल में छूट दी जाएगी।

नए बस स्टेशन की स्थापना को मंजूरी

कैबिनेट बैठक में नए बस स्टेशन के निर्माण को भी मंजूरी दी गई। यह बस स्टेशन राजस्व विभाग की 1.317 हेक्टेयर भूमि पर बनाया जाएगा, जिसे उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को 30 वर्षों के लिए आवंटित किया गया है, जिसकी अवधि आगे बढ़ाकर 90 वर्ष तक की जा सकेगी। इस बस स्टेशन के बनने से उत्तराखंड और नेपाल जाने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। निर्माण कार्य को दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वाराणसी के मदन मोहन मालवीय मंडलीय जिला चिकित्सालय परिसर में 500 बेड वाले मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण को भी मंजूरी दी गई।

व्यापारी से 8 लाख की धोखाधड़ी

आठ लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

एजेंसी । मुरादाबाद

मुरादाबाद महानगर के थाना नागफनी थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यापारी ने आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। उनका आरोप है कि आरोपितों ने व्यापार में पैसे झांसा देकर आठ लाख रुपये ले लिए। पीड़ित ने जब अपनी रकम वापस मांगने पर आरोपितों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। थाना नागफनी क्षेत्र निवासी तेहमूर आलम ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि चं के बाद तेहमूर ने नाजिम से अपनी रकम वापस मांगी तो वह टालमटोल करने लगा। एक दिन नाजिम अपने बड़े भाई मुनाजिर, अनवार, शहजाद आलम और चार अन्य लोगों के साथ उसकी दुकान में घुस आए। उन्होंने आते ही तेहमूर के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी थी। इस दौरान एक आरोपित ने तमंचे से भी फायरिंग की। पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने मंगलवार को बताया कि मामले में चार नामजद और चार अज्ञात आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

डिजिटल क्रांति की ओर यूपी का कदम

'फ्यूचर रेडी तहसीलों' से बदलेगा राजस्व प्रशासन का स्वरूप

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के राजस्व प्रशासन को आधुनिक, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए 'फ्यूचर रेडी तहसीलों' के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप तहसीलों को केवल प्रशासनिक इकाई न रखकर मॉडल प्रशासनिक केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां अत्याधुनिक डिजिटल सेवाएं, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तकनीक उपलब्ध होगी। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रदेश की सभी तहसीलों का सर्वे और फ्रेमवर्क तैयार करने का कार्य प्रगति पर है, जिसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डिजिटल सेवाओं से नागरिकों को राहत

फ्यूचर रेडी तहसीलों में डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन रिकॉर्ड मैनेजमेंट, ई-फाइलिंग सिस्टम और स्मार्ट गवर्नेंस से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके चलते भूमि अभिलेख, प्रमाण-पत्र निर्गमन, दाखिल-खारिज और विवाद निस्तारण जैसी सेवाएं पूरी तरह डिजिटल हो जाएंगी।

सर्वे और आधुनिक तकनीक पर फोकस

राजस्व विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सर्वे के दौरान प्रत्येक तहसील की मौजूदा स्थिति, आवश्यक अपग्रेडेशन और भविष्य की जरूरतों का आकलन किया जा रहा है। इसके आधार पर तहसीलों को चरणबद्ध तरीके से आधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया जाएगा। ई-गवर्नेंस को और मजबूत करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम को भी शामिल किया जाएगा, जिससे डेटा सुरक्षा सुनिश्चित होगी और फर्जीवाड़े पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

निवेश, विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

सरकार का मानना है कि फ्यूचर रेडी तहसीलों से न केवल प्रशासनिक कार्यप्रणाली में तेजी आएगी, बल्कि निवेश, विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान को तहसील स्तर तक मजबूत आधार प्रदान करेगी और उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित शहीद परिवार के लिए सरकारी नौकरी मिलने से निश्चित रूप से आर्थिक और सामाजिक संबल मिला है, जो इस दुख की घड़ी में परिवार के लिए राहत का कारण बनी।

व्यापार जगत

एयर इंडिया के लिए नए सीईओ की तलाश में टाटा समूह

डीबीडी संवाददाता । नई दिल्ली

टाटा समूह ने विमानन कंपनी एयर इंडिया की कमान संभालने के लिए नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) की तलाश शुरू कर दी है। मौजूदा सीईओ कैंपबेल विल्सन का कार्यकाल वर्ष 2027 में समाप्त होना है, लेकिन सूत्रों के अनुसार उन्हें इससे पहले भी पद से हटाया जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि पिछले वर्ष जून में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के बाद से एयरलाइन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी के मद्देनजर टाटा समूह एयर इंडिया के नेतृत्व में बदलाव पर गंभीरता से विचार कर रहा है। समूह का मानना है कि नए नेतृत्व के जरिए एयरलाइन के संचालन और वित्तीय स्थिति को और बेहतर किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, टाटा समूह अपनी अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिए भी नए प्रबंध निदेशक (एमडी) की नियुक्ति पर विचार कर रहा है।

कैंपबेल विल्सन की हो सकती है विदाई

वर्तमान में इस पद पर कार्यरत आलोक सिंह का कार्यकाल भी 2027 में समाप्त होना है। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद आए उतार-चढ़ाव, निजीकरण के बावजूद एयरलाइन की कमजोर वित्तीय स्थिति और संचालन से जुड़ी चुनौतियों को नेतृत्व परिवर्तन की प्रमुख वजह माना जा रहा है। बताया जा रहा है

इस बीच, एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान दुर्घटना की अंतिम जांच रिपोर्ट जून के आसपास आने की संभावना है। कैंपबेल विल्सन सोमवार को एक पूर्व निर्धारित बैठक में शामिल होने के लिए टाटा हाउस भी पहुंचे थे। गौरतलब है कि कैंपबेल विल्सन को जुलाई 2022 में एयर इंडिया का सीईओ और एमडी नियुक्त किया गया था।

बीआईएस मार्क कई सेक्टर्स में भरोसे के प्रतीक के तौर पर उभरा : प्रल्हाद जोशी

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) मार्क कई सेक्टरों में भरोसे का प्रतीक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि बीआईएस सिर्फ एक संस्था नहीं है, बल्कि एक मजबूत विरासत है, जिसने देश की यात्रा को आकार दिया है। मंत्री जोशी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 79वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। प्रल्हाद जोशी ने इस बात पर जोर दिया कि क्वालिटी एक जिम्मेदारी और एक कॉम्पिटिटिव फायदा है, जिसमें स्टैंडर्ड एक्सीलेंस, कंज्यूमर प्रोटेक्शन, बिजनेस करने में आसानी, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भरभारत के लिए बेंचमार्क का काम करते हैं। जोशी ने कहा कि बीआईएस क्वालिटी, भरोसे और एक्सीलेंस की विरासत का जश्न मना रहा है। केंद्रीय मंत्री ने जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट और मेड इन इंडिया को ट्रस्टेड बाय इंडिया और ट्रस्टेड बाय द वर्ल्ड में बदलने के सामूहिक संकल्प के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई।

शेयर बाजार में निवेशकों को 1.35 लाख करोड़ का नुकसान

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई, हालांकि शुरुआती घंटे में खरीदारी के सहारे सेंसेक्स और निफ्टी ने रिकवरी की कोशिश की। लेकिन सुबह 10 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ गया, जिससे दोनों प्रमुख सूचकांक गिरते चले गए। दोपहर बाद कुछ समय के लिए लिवाली लौटने से बाजार में हल्का सुधार जरूर दिखा, लेकिन दिनभर बाजार लाल निशान में ही बना रहा। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,063.34 अंक और एनएसई निफ्टी 0.27 प्रतिशत टूटकर 26,178.70 अंक पर बंद हुआ। सेक्टोरल मोर्चे पर ऑयल एंड गैस, पीएसयू, कैपिटल गुड्स और एनर्जी शेयरों में लगातार बिकवाली देखने को मिली।

ब्रॉडर मार्केट में दबाव बना रहा। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.24 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.39 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। बाजार में कमजोरी के कारण निवेशकों की संपत्ति में करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये की कमी आई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण घटकर 479.45 लाख करोड़ रुपये रह गया। आज बीएसई में 1,661 शेयर बढ़त के साथ और 2,520 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के टॉप गेनर्स में अपोलो हॉस्पिटल, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी लाइफ शामिल रहे, जबकि ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी टॉप लूजर्स में रहे।

कैट 1 से 4 मई तक भारत मंडपम में आयोजित करेगा भारतीय व्यापार महोत्सव 2026

नई दिल्ली। कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) आगामी 1 से 4 मई 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में चार दिवसीय 'भारतीय व्यापार महोत्सव 2026' का आयोजन करेगा। यह महोत्सव आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल की भावना को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में बढ़ते टैरिफ, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में हो रहे बदलावों के बीच यह आयोजन भारत के लिए एक बड़े अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

खंडेलवाल ने बताया कि यह महोत्सव मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया और मेड फॉर द वर्ल्ड की सोच पर आधारित होगा। इसमें देशभर से 2,000 से अधिक प्रदर्शनी स्टॉल, 2 लाख से ज्यादा व्यापारी और करीब 10 लाख आगंतुकों के भाग लेने की संभावना है।

रिलायंस के शेयर में जून 2024 के बाद सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) के शेयरों में मंगलवार को पिछले सात महीनों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई. शेयर 4.5 प्रतिशत टूटकर 1,507.60 रुपये पर बंद हुआ, जो 4 जून 2004 के बाद का सबसे निचला स्तर है. कारोबार के दौरान बिकवाली के दबाव में यह 5.1 प्रतिशत तक गिरकर 1,496.30 रुपये तक पहुंच गया।

9 जनवरी से खुलेगा भारत कोकिंग कोल लिमिटेड का आईपीओ

एजेंसी । नई दिल्ली

कोल इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (BCCL) का इनिशियल पब्लिक ऑफर (IPO) शुक्रवार, 9 जनवरी 2026 को खुलेगा। कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर के लिए प्राइस बैंड 21 रुपये से 23 रुपये प्रति शेयर तय किया है। यह आईपीओ मंगलवार, 13 जनवरी 2026 को बंद होगा। इस इशू में निवेशकों को न्यूनतम 600 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा। इसके बाद 600 शेयरों के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकेगी। सेबी के नियमों के अनुसार एंकर इन्वेस्टर्स के लिए बोली गुरुवार, 8 जनवरी 2026 को होगी। BCCL का यह आईपीओ पूरी तरह 'ऑफर फॉर सेल' (OFS) है। इसमें प्रमोटर कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा 46.57 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की जाएगी। इस इशू से कंपनी को कोई नई पूंजी प्राप्त नहीं होगी।

उत्पादन और बिक्री में रिकॉर्ड

कंपनी का कुल कोयला उत्पादन वित्त वर्ष 2022 में 30.51 मिलियन टन था, जो वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 40.50 मिलियन टन हो गया। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी ने रिकॉर्ड 39.11 मिलियन टन कोकिंग कोल और 1.99 मिलियन टन नॉन-कोकिंग कोल का उत्पादन किया। इसी वर्ष 39.27 मिलियन टन कच्चे कोयले की बिक्री (ऑफटेक) दर्ज की गई।

देश की सबसे बड़ी कोकिंग कोल उत्पादक कंपनी

वित्त वर्ष 2025 में कोकिंग कोल उत्पादन के मामले में BCCL देश की सबसे बड़ी कंपनी रही है। भारत के कुल कोकिंग कोल उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 58.50 प्रतिशत रही।

सिद्धारमैया की सिद्धि

कर्नाटक के लंबे समय तक पद पर रहने वाले मुख्यमंत्री बने सिद्धारमैया

दोपहर संवाददाता । बेंगलुरु

सिद्धारमैया अब कर्नाटक के इतिहास में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में अपने दो कार्यकालों को मिलाकर उन्होंने कुल 2,792 दिन पूरे कर लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने मैसूर के ही दिग्गज नेता देवराज उर्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है और 7 जनवरी से यह रिकॉर्ड पूरी तरह उनके नाम दर्ज हो जाएगा।

कट्टर विरोधी से कांग्रेस के खेवनहार तक

1980 के दशक की शुरुआत से लेकर 2005 तक, एक गरीब किसान परिवार से आने वाले सिद्धारमैया कांग्रेस के कट्टर विरोधी थे। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा द्वारा जेडी(एस) से निकाले जाने के बाद वह राजनीतिक रूप से दुविधा में पड़ गए। इसके बाद अंत में उन्होंने उसी पार्टी में शामिल हो गए, जिसका उन्होंने कभी विरोध किया था। अपने धैर्य और दृढ़ता के बल पर सिद्धारमैया ने अपने जीवन भर के सपने को साकार किया। इसके बाद 2013 में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री बने। इसके साथ ही वह नौ बार के विधायक बने।

दो बार के मुख्यमंत्री उर्स का रिकॉर्ड तोड़ा

दो बार के मुख्यमंत्री रहे देवराज उर्स को कर्नाटक में सामाजिक न्याय का प्रतीक माना जाता है। सिद्धारमैया, उर्स के बाद राज्य में पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाले दूसरे मुख्यमंत्री भी हैं। सिद्धारमैया का पहला कार्यकाल (2013-2018) 1,829 दिनों का था, जबकि मई 2023 से शुरू हुए उनके दूसरे कार्यकाल ने उन्हें इस शीर्ष स्थान पर पहुँचा दिया है।

- पहली बार 1983 में विधायक बने

दो नेताओं को पछाड़कर मुख्यमंत्री बनने का श्रेय मिला

इसके साथ ही सिद्धारमैया को कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को पछाड़कर मुख्यमंत्री बनने का श्रेय जाता है। 2023 में शिवकुमार और एक दशक पहले एम मल्लिकार्जुन खरगे को। 2004 के खंडित जनादेश के बाद, कांग्रेस और जेडी(एस) ने गठबंधन सरकार बनाई, जिसमें जेडी(एस) में रहे सिद्धारमैया को कांग्रेस के एन. धरम सिंह का उप मुख्यमंत्री बनाया गया, जो मुख्यमंत्री बने। सिद्धारमैया को इस बात का मलाल है कि उन्हें उस समय राज्य का नेतृत्व करने का अवसर मिला था, लेकिन गौड़ा ने उनकी संभावनाओं को खत्म कर दिया। इसके बाद, 2005 में, कर्नाटक की तीसरी सबसे बड़ी जाति कुरुबा से ताल्लुक रखने वाले सिद्धारमैया ने खुद को पिछड़े वर्गों के नेता के रूप में स्थापित करने का फैसला किया। एएचआईएनडीए (अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के लिए कन्नड़ संक्षिप्त नाम) सम्मेलनों का नेतृत्व किया। संयोग से उस समय जब पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे एचडी कुमारस्वामी देवे को पार्टी के उभरते सितारे के रूप में देखा जा रहा था।

राजनीति से संन्यास तक लेने की बात कही

सिद्धारमैया को जेडी(एस) से बर्खास्त कर दिया गया, जहां उन्होंने पहले इसकी राज्य इकाई के प्रमुख के रूप में कार्य किया था। पार्टी के आलोचकों का कहना है कि उन्हें इसलिए हटाया गया क्योंकि देवेगौड़ा कुमारस्वामी को बढ़ावा देने के इच्छुक थे। उस समय सिद्धारमैया ने राजनीतिक संन्यास की बात की। यहां तक कि वकालत में वापस लौटने के विचार पर भी गौर किया। उन्होंने क्षेत्रीय दल बनाने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि उनके पास धन की कमी है। उस समय भाजपा और कांग्रेस दोनों ने उन्हें लुभाने की कोशिश की थी। लेकिन सिद्धारमैया ने कहा कि वह भाजपा की विचारधारा से सहमत नहीं थे।

16 बार राज्य के बजट पेश किया

2004 में, वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पाने का मौका बाल-बाल चूक गए। क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री देवे गौड़ा प्रधानमंत्री बन गए थे। सिद्धारमैया को जे.एच. पटेल ने पीछे छोड़ दिया, जिनके मंत्रिमंडल में वह उपमुख्यमंत्री थे। गौड़ा और पटेल दोनों के मंत्रिमंडल में उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया। इसके साथ ही सिद्धारमैया, जो एक जन नेता के रूप में उभरे हैं। उन्होंने 16 बार राज्यों के बजट पेश किया। जनता परिवार के सदस्य, वह डॉ. राम मनोहर लोहिया द्वारा प्रतिपादित समाजवादी आदर्शों से प्रभावित थे। उन्होंने राजनीतिक करियर बनाने के लिए अपने वकालत के पेशे को अलविदा कह दिया। पहली बार वह 1983 में लोक दल पार्टी के टिकट पर मैसूरु के चामुंडेश्वरी विधानसभा सीट से चुने गए।

सीएक्यूएम को 'सुप्रीम' फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण पर सीएक्यूएम को समाधान करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से संबंधित याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को कर्तव्य निभाने में असफल रहने पर फटकार लगाई है। वहीं सीएक्यूएम की दिल्ली की सीमाओं पर मौजूद टोल प्लाजा को हटाने या अस्थायी रूप से बंद करने की मांग को ठुकरा दिया है। मंगलवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) दिल्ली बॉर्डर पर टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से बंद करने या हटाने के मुद्दे पर 2 महीने का समय मांगा था। जिस पर फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को ठुकरा दिया और कहा कि आयोग अपना कर्तव्य निभाने में असफल रहा है। वहीं अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को चरणबद्ध तरीके से लंबे समय के समाधानों पर विचार करना शुरू करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने आयोग को निर्देश दिए हैं कि वह विभिन्न हितधारक के रुख से प्रभावित हुए बिना टोल प्लाजा के मुद्दे पर विचार करेगा। इसी के साथ दो हफ्ते में विशेषज्ञों की बैठक बुलाने और बढ़ते प्रदूषण के मुख्य कारणों पर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

न्यूज़ ब्रीफ

नए मेडिकल कॉलेज में अनूसूचित जनजातियों को 85 फीसदी आरक्षण

नई दिल्ली। लद्दाख में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अस्पतालों को आधुनिक बनाया जा रहा है, नई मशीनें लगाई जा रही हैं और जल्द ही एक नया मेडिकल कॉलेज भी शुरू होगा। यह जानकारी लद्दाख के उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने दी। उपराज्यपाल ने बताया कि लद्दाख में एक नया मेडिकल कॉलेज बनेगा, जिसके लिए जमीन ले ली गई है। इस पर करीब 786 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कॉलेज की 85 फीसदी सीटें अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए आरक्षित होंगी और इसमें लद्दाख के ही छात्र पढ़ेंगे।

छात्र नेता हादी हत्याकांड: अवामी लीग के इशारे पर हुई हत्या

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश पुलिस ने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या को एक सुनियोजित 'राजनीतिक बदला' करार दिया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (DMP) के अनुसार, यह हत्या प्रतिबंधित 'अवामी लीग' के इशारे पर की गई थी। पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल मामले में मंगलवार को 17 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच में सामने आया है कि हादी द्वारा सार्वजनिक मंचों से अवामी लीग और उसकी छात्र इकाई 'छात्र लीग' की तीखी आलोचना किए जाने के कारण उनकी हत्या की साजिश रची गई थी। पुलिस की चार्जशीट में हत्या में शामिल मुख्य किरदारों का खुलासा किया गया है। डिटेक्टिव ब्रांच के अतिरिक्त आयुक्त मोहम्मद शफीकुल इस्लाम ने बताया कि मुख्य शूटर फैसल करीम मसूद का सीधा संबंध छात्र लीग से था। वहीं, पल्लबी थाना के छात्र लीग अध्यक्ष और पूर्व वार्ड पार्षद तैजुल इस्लाम चौधरी बप्पी ने शूटरों को संरक्षण देने और उन्हें फरार होने में मदद करने में मुख्य भूमिका निभाई थी।

छात्रसंघ चुनाव से जुड़ी पीआईएल खारिज

- पीआईएल में लिंगदोह समिति के मानदंड लागू करने की मांग की गई थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को छात्रसंघ चुनाव से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया। इस याचिका में देश भर के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र संघ चुनावों के लिए लिंगदोह समिति (2006) की रिपोर्ट को लागू करने की मांग की गई थी। यह वही रिपोर्ट है, जिसमें देश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र संघ चुनावों के लिए नियम बताए गए हैं। इस समिति का गठन सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्र सरकार ने किया था। इसका उद्देश्य कैंपस की राजनीति से धनबल और बाहुबल को समाप्त करना और साथ ही शैक्षणिक स्तर को बनाए रखना था। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने शिव कुमार त्रिपाठी के दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि इसमें कोई ठोस आधार नहीं है।

सीजेआई ने क्या कहा?

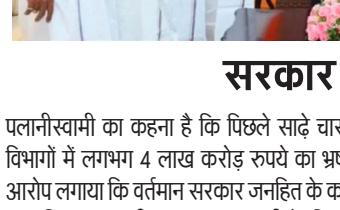

हालांकि, सीजेआई ने इस याचिका को केवल प्रचार पाने का एक माध्यम करार दिया। याचिका खारिज करते हुए सीजेआई ने टिप्पणी की, ₹आप बस बाहर जाकर मीडिया को संबोधित करना चाहते हैं। यह सिर्फ पब्लिसिटी के लिए है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले कमेटी की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था, जिससे वे देश के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए अनिवार्य हो गए थे। लिंगदोह समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्नातक (अंडरग्रेजुएट) छात्रों के लिए चुनाव लड़ने की आयु सीमा 17 से 22 वर्ष और स्नातकोत्तर (पोस्टग्रेजुएट) छात्रों के लिए 24 से 25 वर्ष निर्धारित की थी। इसके अलावा, समिति ने चुनावों के लिए कई अन्य नियामक उपायों का भी सुझाव दिया था।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच हो : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग मंगलवार को फिर उठाई और कहा कि अब भाजपा सच नहीं दबा सकती। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक वीडियो जारी कर कहा कि अंकिता भंडारी को न्याय दो, इस नारे के साथ पूरा उत्तराखंड गूंज रहा है। पहाड़ की एक बेटी के साथ बहुत अन्याय हुआ है। इस मामले में सारे सबूत छिपाने के लिए तुरंत उस होटल पर बुलडोजर चला दिया गया, क्योंकि उसमें भाजपा के एक नेता का बेटा शामिल था। उन्होंने दावा किया कि अब एक सच सामने आ रहा है कि इस मामले की आंच भाजपा के एक वरिष्ठ नेता तक पहुंच रही है और पूरे उत्तराखंड के साथ ही भाजपा के लोग भी न्याय की उम्मीद कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार पर हाईकोर्ट की सख्ती

हाईवे ठेकेदार की पांच साल की ब्लैकलिस्टिंग बरकरार

शिलांग। मेघालय हाईकोर्ट ने एक बड़े सड़क परियोजना से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए हाईवे ठेकेदार की पांच साल की ब्लैकलिस्टिंग को सही ठहराया है। अदालत ने साफ कहा कि सार्वजनिक धन और जनहित से जुड़े मामलों में सरकार की कार्रवाई कानूनसम्मत और जरूरी है। इस फैसले से सरकारी ठेकों में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर स्पष्ट संदेश गया है। मेघालय सरकार के लोक निर्माण विभाग (सड़क) ने वर्ष 2011 में एनएच-44ई और नोंगस्टोइन-रोंगजेंग-तुरा सड़क के दोहरीकरण का ठेका बीएससीपीएल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और सी एंड सी कंस्ट्रक्शंस के संयुक्त उपक्रम को दिया था। शुरुआती लागत करीब 1,303 करोड़ रुपये थी, जो बाद में संशोधन और अतिरिक्त कार्यों के चलते 2,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गई।

महंगे तोहफे, शराब और मेहमाननवाजी

मध्यस्थता की कार्यवाही के दौरान सरकार ने ठेकेदार द्वारा पेश किए गए लेजर दस्तावेजों की जांच की। इन रिकॉर्ड में महंगे तोहफे, शराब, मेहमाननवाजी और अन्य लाभों पर बार-बार खर्च दर्ज पाया गया। सरकार का आरोप है कि ये लाभ सरकारी अधिकारियों, इंजीनियरों और विवाद समाधान बोर्ड के सदस्यों तक पहुंचाए गए। अदालत ने माना कि ये दस्तावेज प्रथम दृष्टया अवैध रिश्वतखोरी की पुष्टि करते हैं।

सरकार की कार्रवाई और ठेकेदार की दलील

सितंबर 2024 में लोक निर्माण विभाग ने शो-कॉज नोटिस जारी किया और 3 दिसंबर 2024 को ठेकेदार को पांच साल के लिए भविष्य के टेंडरों से बाहर कर दिया। ठेकेदार ने इसे दुर्भावनापूर्ण, देर से की गई और मध्यस्थता को प्रभावित करने वाली कार्रवाई बताया। सरकार ने कहा कि संयुक्त उपक्रम को अब तक 2,523 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान किया जा चुका है और 94 करोड़ रुपये मध्यस्थता आदेश के तहत दिए गए हैं। एकल न्यायाधीश जस्टिस एच. एस. थांगख्यू ने याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि ब्लैकलिस्ट करने का अधिकार अनुबंध की शर्तों और राज्य के अंतर्निहित अधिकार दोनों से निकलता है।

अन्नाद्रमुक ने डीएमके सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

- राज्यपाल से की न्यायिक जांच की मांग

एजेंसी । चेन्नई

अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के महासचिव एडप्पाडी पलानीस्वामी ने तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके सरकार पर निशाना साधते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्यपाल आर.एन. रवि से मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि 2021 से अब तक हुए कथित भ्रष्टाचार की एक विस्तृत सूची उन्होंने राज्यपाल को सौंपी और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

राज्यपाल से की न्यायिक जांच की मांग

उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया है कि इन मामलों की निष्पक्ष जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक जांच आयोग का गठन किया जाए। नेता ने कहा कि एक जिम्मेदार विपक्ष होने के नाते उनका कर्तव्य जनता के सामने सच्चाई आए। उनके अनुसार, डीएमके सरकार ने जनता के हित में कार्य करने के बजाय केवल सत्ता का दुरुपयोग किया है।

सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

पलानीस्वामी का कहना है कि पिछले साढ़े चार वर्षों में कई सरकारी विभागों में लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार जनहित के कार्य करने के बजाय एक व्यापारिक संस्था की तरह काम कर रही है। विपक्ष के नेता ने दावा किया कि उनके पास इन आरोपों को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त सबूत उपलब्ध हैं, जिन्हें राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है। उन्होंने पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान हुए वित्तीय नुकसान का विवरण देते हुए कहा कि सरकार हर साल 1 लाख करोड़ रुपये का कर्ज ले रही है।

देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा है आरएसएस: खरगे

बंगलूरू। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा बताया। प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ दायर कानूनी मामले संगठन के बारे में उनकी ओर से उठाए गए सवालों की प्रतिक्रिया हैं। प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अखबार का लेख साझा किया, जिसमें बताया गया था कि एक आरएसएस सदस्य की ओर से दायर मानहानि की शिकायत के मामले में एक विशेष अदालत ने उन्हें और राज्य के साथी मंत्री दिनेश गुंडू राव को नोटिस जारी किया है। अपने पोस्ट में खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि संगठन अपने स्वयंसेवकों के चंदे से चलता है। इस दावे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा।

ऑस्कर की रेस में एक कदम और बढ़ी 'होमबाउंड'

लॉस एंजेल्स। ऑस्कर 2026 की रेस में भारतीय फिल्म निर्देशक नीरज घेवान की फिल्म होमबाउंड एक कदम और बढ़ गई है। अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में 'होमबाउंड' वोटिंग के अगले राउंड में पहुंच गई है, जहां अब सिर्फ 15 फिल्में हैं। 22 जनवरी को ऑस्कर नॉमिनेशन की घोषणा की जाएगी, जिसके बाद 15 मार्च 2026 को लॉस एंजिल्स में एक भव्य समारोह ऑस्कर अवॉर्ड 2026 दिए जाएंगे। 15 फिल्मों में टक्कर एकेडमी ने घोषणा की कि दुनियाभर की 15 फिल्में अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में वोटिंग के अगले राउंड में पहुंची हैं। इनमें होमबाउंड के अलावाअर्जेंटीना, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, इराक, जापान, जॉर्डन, नॉर्वे, फिलिस्तीन, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्विट्जरलैंड, ताइवान और ट्यूनीशिया की फिल्में शामिल हैं। दो दोस्तों की कहानी होमबाउंड 98 साल के ऑस्कर अवॉर्ड के इतिहास में भारतीय सिनेमा की पांचवीं फिल्म है, जो शॉर्टलिस्ट हुई है।फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहानी दो दोस्तों के बारे में है जो अपनी सामाजिक स्थिति से ऊपर उठने की कोशिश करते हैं।

चिंताजनक 39% फैकल्टी के पद खाली, साल में 4 बार इंटरव्यू भी नाकाफी

देश के प्रीमियम अस्पतालों में डॉक्टरों का टोटा

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों (एम्स) में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। आंकड़ों के अनुसार, संचालित 19 एम्स में प्रोफेसरों और फैकल्टी के लगभग 39 फीसदी पद रिक्त हैं। इस कमी को दूर करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय अब साल में एक बार के बजाय चार बार (मार्च, जून, सितंबर और दिसंबर) इंटरव्यू आयोजित कर रहा है। इसके बावजूद, एम्स की कठोर चयन प्रक्रिया और उच्च मापदंडों के कारण पर्याप्त संख्या में 'योग्य' उम्मीदवार नहीं मिल पा रहे हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह संस्थानों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भर्ती मानकों से कोई समझौता नहीं करेगी।

योग्य उम्मीदवारों का संकट: मापदंडों पर खरे नहीं उतर रहे डॉक्टर

हाल ही में एक आरटीआई (RTI) से चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि सभी एम्स में फैकल्टी के स्वीकृत 4,099 पदों में से 1,600 पद खाली पड़े हैं। देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित एम्स, नई दिल्ली की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां 1,306 पदों में से 524 रिक्त हैं। सूत्रों के अनुसार, रिक्तियों का कारण भर्ती प्रक्रिया की सुस्ती नहीं, बल्कि योग्य प्रतिभाओं का अभाव है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, कई डॉक्टर इंटरव्यू के लिए तो आ रहे हैं, लेकिन वे एम्स की विशेषज्ञता और शोध-आधारित कार्य संस्कृति के मापदंडों को पूरा करने में विफल रह रहे हैं।

तबादले की जगह नए आवेदन की छूट और बुनियादी ढांचा

एम्स संस्थानों के बीच डॉक्टरों के सीधे तबादले (Transfer) का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। इस समस्या के समाधान के रूप में सरकार ने डॉक्टरों को यह विकल्प दिया है कि वे अपनी सुविधा के अनुसार एक एम्स से दूसरे एम्स में नई नियुक्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। इससे नई दिल्ली जैसे पुराने एम्स के अनुभवी डॉक्टर अब अपने गृह राज्यों या अन्य शहरों के एम्स में शिफ्ट हो रहे हैं। हालांकि, स्थापित एम्स से फैकल्टी का नौकरी छोड़ना अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसका समाधान स्वास्थ्य मंत्रालय गहन विमर्श के बाद भी पूरी तरह नहीं खोज पाया है।

भविष्य की तैयारी: एम्स के छात्रों को ही करियर में प्राथमिकता

फैकल्टी की इस दीर्घकालिक कमी को दूर करने के लिए सरकार ने एक नई रणनीति पर काम शुरू किया है। इसके तहत अब एम्स से ही एमबीबीएस और पीजी करने वाले डॉक्टरों को संस्थान में ही करियर शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। एमबीबीएस स्नातकों को 'जूनियर रेजिडेंट' और पीजी करने वालों को 'सीनियर रेजिडेंट' नियुक्त करने में प्राथमिकता दी जाएगी।

DBD 8
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पॉन्सिबिलिटी है
मुंबई
बुधवार, 7 जनवरी 2026

वार्ड वार

माहिम वार्ड 182

फ्लोटिंग वोट बैंक बिगाड़ सकता है भाजपा और शिवसेना यूबीटी का खेल

दोपहर संवाददाता । मुंबई

15 जनवरी 2026 को होने वाले बीएमसी चुनाव में माहिम का वार्ड 182 अपनी बदली हुई राजनीतिक संरचना के कारण चर्चा में है। इस बार यहां मुख्य मुकाबला भाजपा और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के बीच सिमटता दिख रहा है। 2017 में जहां पांच प्रमुख दावेदार मैदान में थे, वहीं इस बार समीकरणों के संयोजन ने कई छोटे दलों को चुनावी दौड़ से बाहर कर दिया है, जिससे लड़ाई अब सीधे दो बड़े गुटों के बीच है।

2017 के आंकड़े : जब बंटे हुए वोटों ने तय किया था विजेता

पिछले चुनाव (2017) में शिवसेना के मिलिंद दत्ताराम वैद्य ने 6,899 वोट पाकर जीत हासिल की थी। उनके ठीक पीछे मनसे के राजन सुरेश पारकर (5,476 वोट) थे। दिलचस्प बात यह है कि उस समय AIMIM के रऊफ मिठाईवाला ने 1,804 वोट काटकर मनसे और कांग्रेस के समीकरण बिगाड़ दिए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि तब वोटों का यह ध्रुवीकरण न होता, तो चुनावी परिणाम कुछ और हो सकते थे।

पारकर का पाला बदलना : भाजपा की नई उम्मीद

इस चुनाव का सबसे बड़ा मोड़ राजन सुरेश पारकर का भाजपा में शामिल होना है। 2017 में मनसे के टिकट पर मजबूत प्रदर्शन करने वाले पारकर अब भाजपा के उम्मीदवार हैं। भाजपा को उम्मीद है कि पारकर की अपनी व्यक्तिगत लोकप्रियता और पार्टी का संगठनात्मक आधार मिलकर इस बार जीत का आंकड़ा पार कर लेंगे। पारकर के लिए यह लड़ाई अपनी स्थानीय पकड़ को भाजपा के वोट बैंक के साथ जोड़ने की एक बड़ी परीक्षा है।

शिवसेना (UBT) और मनसे का गठबंधन

शिवसेना में विभाजन के बाद, वार्ड 182 में उद्धव ठाकरे गुट (SS-UBT) ने फिर से मिलिंद वैद्य को मैदान में उतारा है। इस बार समीकरण इसलिए मजबूत दिख रहे हैं क्योंकि 'ठाकरे बंधुओं' की एकता से मराठी वोटों के बंटवारे रुकने की संभावना है, जो सीधे तौर पर मिलिंद वैद्य के पक्ष में जा सकता है।

निर्णायक होंगे AIMIM और कांग्रेस के अनुपस्थित वोट

इस बार AIMIM और कांग्रेस-VBA गठबंधन ने इस सीट पर उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है। ऐसे में लगभग 5,000 वोटों का एक बड़ा 'फ्लोटिंग वोट बैंक' (मुस्लिम और दलित मतदाता) अब किस ओर जाएगा, यह जीत-हार का मुख्य कारक बनेगा। यदि ये वोट भाजपा विरोधी खेमे (UBT) में जाते हैं, तो मिलिंद वैद्य की राह आसान हो सकती है, वहीं इनका बिखराव भाजपा को बढ़त दिला सकता है।

क्या बोलती पब्लिक

चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा हैं। जागरूक मतदाता ही विकास, जवाबदेही और पारदर्शी शासन की मजबूत नींव रखता है।

–प्रतिभा गुप्ता, डोंबिवली

चुनाव लोकतंत्र की मूल शक्ति हैं। इनके माध्यम से नागरिक अपने प्रतिनिधि चुनते हैं, सत्ता की जवाबदेही तय करते हैं और राष्ट्र के भविष्य की दिशा निर्धारित करते हैं।

–अनिल पांडे, उल्हासनगर

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

विश्लेषण

वर्ली विधानसभा

संकट में है ठाकरे का गढ़, बागी करेंगे खेला

दोपहर संवाददाता । मुंबई

इस बार बीएमसी चुनाव में सबसे हाई प्रोफाईल एरिया वर्ली विधानसभा क्षेत्र बना हुआ है। यहां वर्ली विधानसभा में बीएमसी के कुल 6 वॉर्ड हैं। वरली, शिवसेना (UBT) का परंपरागत गढ़ रहा है। आदित्य ठाकरे यहां से विधायक हैं। इसी क्षेत्र के दो स्थानीय नेताओं को ठाकरे ने MLC बनाया है। यानी ठाकरे सेना के यहां कुल 3 विधायक हैं। इसके बावजूद ठाकरे सेना को बीएमसी चुनाव में सबसे बड़ी बग़ावत का सामना वरली में करना पड़ रहा है। वरली के 6 में से कुल 4 वॉर्ड में ठाकरे के बागी नेताओं ने बतौर निर्दलिय नामांकन दाखिल किया है। बागी नेताओं के पर्चा भरने के पीछे बड़ी वजह यह है कि टिकट बंटवारे में उद्धव ठाकरे ने पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं के बजाय इलाके के रसूखदार सियासी नेताओं के परिजनों को टिकट दिया, जिससे नाराजगी बढ़ गई। आदित्य ठाकरे के लाख मानने के बावजूद भी बागियों ने नामांकन पीछे नहीं लिया।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को भी लगा झटका

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता संतोष धुरी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थाम लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने अपने ही वफादार कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया और मुंबई नगर निगम चुनावों में सीट बंटवारे के दौरान वार्ड शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को दे दिए। संतोष धुरी माहिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 194 से मनसे के टिकट के मजबूत दावेदार थे। लेकिन यह सीट शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को दे दी गई।

ठाकरे सेना की बढ़ी मुश्किलें

चारों बागी उम्मीदवारों की यहां इलाके में अच्छी पकड़ है। अब इसी वरली इलाके के एमएनएस के प्रभावशाली नेता संतोष धूरी के बीजेपी में शामिल होने के संकेत के बाद ठाकरे सेना की यहां मुश्किलें और बढ़ने वाली है। गौरतलब है कि 2024 विधानसभा चुनाव में आदित्य ठाकरे वरली विधानसभा सीट महज 8801 वोट से जीत पाए थे। अब निर्दलीय बड़े पैमाने पर ठाकरे को यहां चोट पहुंचा सकते हैं। एमएनएस के साथ गठबंधन की वजह से उद्धव सेना यहां शायद थोड़ा डैमेज कंट्रोल कर लेगी, लेकिन बागी उम्मीदवारों की वजह से इस बार यहां जीत हासिल करना ठाकरे के लिए हर बार की तरह आसान नहीं होगा।

वार्ड नं 193

दिलचस्प मुकाबला

आगामी 15 जनवरी 2026 को होने वाले बीएमसी चुनाव के लिए वार्ड नंबर 193 में मुकाबला काफी दिलचस्प है। यह वार्ड पारंपरिक रूप से शिवसेना का गढ़ रहा है, लेकिन पार्टी में विभाजन के बाद यहाँ समीकरण बदल गए हैं। महायुति की ओर से शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) ने इस बार हेमांगी वरळीकर पर भरोसा जताया है, जो यहाँ की निवर्तमान पार्षद भी हैं। उनके मुकाबले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने रोहित कोली को उम्मीदवार बनाया है। कोली 2017 में भी यहाँ से मजबूती से लड़े थे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस वार्ड से अतित वसंत मयेकर को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। इस वार्ड में मुख्य मुकाबला शिवसेना के दोनों गुटों और मनसे के बीच त्रिकोणीय होने की उम्मीद है, जहाँ कोली समाज और मध्यम वर्गीय मराठी मतदाताओं की भूमिका निर्णायक होगी।

2017 के चुनावी आंकड़े

2017 के चुनावों में इस वार्ड से शिवसेना की हेमांगी हरेश्वर वरलीकर ने 13,671 मत (42.61%) प्राप्त कर एकतरफा जीत हासिल की थी। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के रोहित माइकल कोली को 8,851 वोटों के भारी अंतर से पराजित किया था, जिन्हें केवल 4,820 मत मिले थे। भारतीय जनता पार्टी (BJP) के जयंत दत्ताराम नाटे 4,811 वोटों के साथ बहुत मामूली अंतर से तीसरे स्थान पर रहे थे। अन्य प्रमुख प्रत्याशियों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के रनवाल राजन लाड को 3,432 वोट और कांग्रेस के अतित वसंत मयेकर को 1,444 वोट मिले थे। इस चुनाव में कुल 32,084 मतदान हुए थे, जिसमें 721 मतदाताओं (2.25%) ने 'नोटा' (NOTA) का बटन दबाया था।

वार्ड नं 196

शिवसेना (UBT) बनाम शिवसेना

वॉ्ड क्रमांक 196 (वरली) में 'महासंग्राम' की स्थिति बनी हुई है, जहाँ मुख्य मुकाबला महाविकास आघाड़ी और महायुति के बीच है। शिवसेना (UBT) और मनसे गठबंधन की ओर से अनुभवी नेता पद्मजा चेंबूरकर मैदान में हैं, जिनका मुकाबला महायुति (भाजपा-शिवसेना शिंदे गुट) की उम्मीदवार सोनाली सावंत से है। इस वॉर्ड में 'ठाकरे' बंधुओं की युती और सत्ताधारी महायुति के बीच की टक्कर ने चुनाव को काफी रोमांचक बना दिया है, जिसमें स्थानीय मराठी मतों का ध्रुवीकरण जीत-हार का मुख्य कारण बन सकता है। प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ-साथ इस वॉर्ड में निर्दलीय उम्मीदवारों की मौजूदगी ने भी मुकाबले को बहुकोणीय बना दिया है। प्रतिभा परब और संगीता जगताप बतौर निर्दलीय (अपक्ष) अपनी किस्मत आजमा रही हैं, जो मुख्य उम्मीदवारों के वोट बैंक को प्रभावित कर सकती हैं।

2017 के चुनावी आंकड़े

साल 2017 के बीएमसी चुनाव में वार्ड नंबर 196 (जी-दक्षिण) से शिवसेना के आशीष रामनाथ चेंबूरकर ने प्रभावशाली जीत दर्ज की थी। उन्होंने कुल 11,306 मत (43.52%) प्राप्त किए और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के दीपक अशोक पाटिल को 5,688 वोटों के बड़े अंतर से हराया था। इस चुनाव में भाजपा दूसरे स्थान पर (5,618 वोट), एनसीपी के दशरथ शिवराम नितनवरे तीसरे स्थान पर (3,731 वोट) और मनसे के दशरथ दत्तराम निकम चौथे स्थान पर (1,551 वोट) रहे थे। इस वार्ड में कुल 25,973 मतदान हुए थे, जिसमें 423 मतदाताओं ने 'नोटा' (NOTA) का प्रयोग किया था।

वार्ड नं 195

त्रिकोणीय मुकाबला

वॉर्ड क्रमांक 195 (वरली कोलीवाड़ा/जी-दक्षिण) में इस बार महायुति और महाविकास आघाड़ी के बीच सीधा मुकाबला है। शिवसेना (UBT) ने यहाँ से विजय भणगे को मैदान में उतारा है, जो आदित्य ठाकरे के वरली निर्वाचन क्षेत्र के सक्रिय चेहरा माने जाते हैं। वहीं, महायुति की ओर से भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने राजेश कांगणे को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया है। इस वॉर्ड में कोली समुदाय और स्थानीय मराठी भाषी मतदाताओं का प्रभुत्व है, जो हार-जीत का मुख्य आधार तय करेंगे। राजेश कांगणे को भाजपा के जमीनी संगठन और राज्य सरकार की योजनाओं (जैसे लाडली बहन योजना) का लाभ मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर, विजय भणगे के पक्ष में शिवसेना (UBT) का पारंपरिक 'मराठी कार्ड' और सहानुभूति लहर देखी जा रही है। दूसरी ओर, वंचित बहुजन आघाड़ी (VBA) ने इस वार्ड से ओमकार मोहन पवार को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया है, जो इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

2017 के चुनावी आंकड़े

साल 2017 के बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव में वार्ड नंबर 195 (जी-दक्षिण वार्ड) से शिवसेना के संतोष नामदेव खरात ने बड़ी जीत दर्ज की थी। उन्होंने कुल 10,811 मत (40.24%) प्राप्त किए थे और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (BJP) के सुशील सखाराम शीलवंत को 5,973 वोटों के भारी अंतर से हराया था। इस चुनाव में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के मंगेश परशुराम कासालकर 2,898 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि कांग्रेस के अजय किशोर शिंदे (2,645 वोट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) की वनिता वसंत इंसुलकर (2,603 वोट) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला था। इस वार्ड में कुल 26,862 मतदान हुए थे और 548 मतदाताओं ने 'नोटा' (NOTA) का विकल्प चुना था।

वार्ड नं 197

वर्चस्व की लड़ाई

वॉर्ड क्रमांक 197 में इस बार का मुकाबला बेहद रोचक है क्योंकि यहाँ सीधे तौर पर शिवसेना के दोनों गुटों (शिंदे बनाम उद्धव) के बीच वर्चस्व की लड़ाई है। महायुति की ओर से शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) ने वनिता नारवणकर को अपना आधिकारिक उम्मीदवार बनाया है। वनिता नारवणकर का इस क्षेत्र में पुराना राजनीतिक अनुभव है और वे सत्ताधारी गठबंधन के विकास कार्यों के दम पर चुनावी मैदान में हैं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजीत पवार गुट) ने यहाँ से फरीन खान को टिकट दिया है, जबकि मनसे की ओर से रचना साल्वी मैदान में हैं। स्थानीय मुद्दों में बीडीडी चॉल का पुनर्विकास, स्वच्छता और संकरी गलियों में बुनियादी सुविधाएं मुख्य चुनावी एजेंडा बनी हुई हैं।

2017 के चुनावी आंकड़े

साल 2017 के बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव में वार्ड नंबर 197 (जी-दक्षिण वार्ड) से महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के दत्ताराम (दत्ता) शिवराम नरवणकर ने शानदार जीत हासिल की थी। उन्होंने कुल 4,419 मत (21.44%) प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के परशुराम दत्तात्रय देसाई को 1,132 वोटों के अंतर से हराया था। इस वार्ड में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के अबरार लालमोहम्मद खान 3,202 वोटों के साथ तीसरे और भारतीय जनता पार्टी (BJP) के नवनीत दयाशंकर पांडे 2,406 वोटों के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। इस त्रिकोणीय और चतुष्कोणीय मुकाबले में बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी वोट हासिल किए थे, जिसमें राजू गोविंद पवार को 1,772 मत मिले थे।

वार्ड नं 199

हाई प्रोफाइल मुकाबला

मुंबई के लोअर परेल और वर्ली के कुछ हिस्सों को कवर करने वाले वार्ड नंबर 199 में इस बार चुनावी मुकाबला बेहद रोमांचक होने वाला है। महा विकास अघाड़ी (MVA) की ओर से शिवसेना (UBT) ने पूर्व मेयर और कद्दावर नेता किशोरी पेडणेकर को एक बार फिर इसी वार्ड से मैदान में उतारा है। किशोरी पेडणेकर का इस क्षेत्र में गहरा प्रभाव है और उनकी उम्मीदवारी ने चुनाव को हाई-प्रोफाइल बना दिया है। उनके सामने इस वार्ड से शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) ने रुपाली कुसळे को चुनावी मैदान में उतारा है। रुपाली कुसळे स्थानीय राजनीति में एक सक्रिय चेहरा हैं और उनके पति राजेश कुसळे भी क्षेत्र के कद्दावर नेता माने जाते हैं। शिंदे गुट ने यहाँ से रुपाली कुसळे को मौका देकर स्थानीय कैडर को साधने की कोशिश की है। अन्य उम्मीदवारों की बात करें तो वंचित बहुजन आघाड़ी (VBA) ने इस वार्ड से नंदिनी गौतम जाधव को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया है, जो दलित और वंचित वर्ग के वोटों में सेंध लगा सकती हैं।

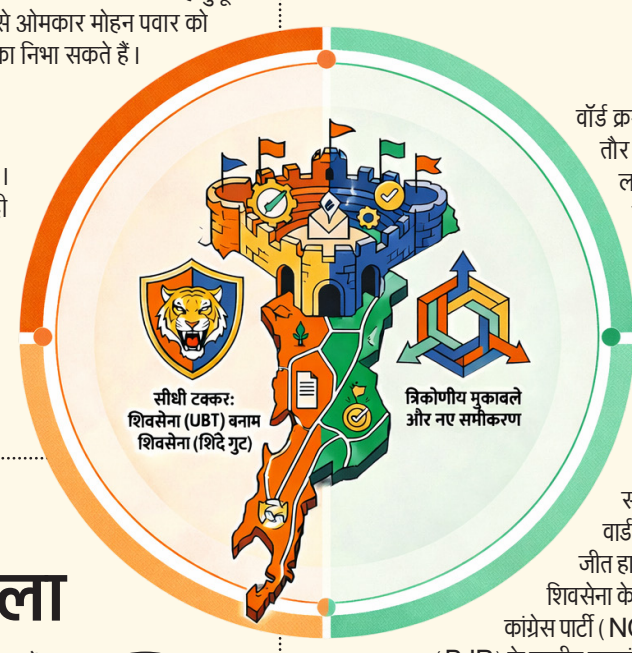

2017 के चुनावी आंकड़े

साल 2017 के बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव में वार्ड नंबर 199 (जी-दक्षिण वार्ड) से शिवसेना की किशोरी किशोर पेडनेकर ने शानदार जीत हासिल की थी। उन्होंने कुल 11,229 मत (42.70%) प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंद्वियों को बड़े अंतर से हराया था। इस चुनाव में दूसरे स्थान पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) की विजयमाला बबन देसाई रहीं, जिन्हें 5,456 वोट मिले, जबकि भारतीय जनता पार्टी (BJP) की आरती चंद्रकांत पुगांवकर 4,404 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य उम्मीदवारों में कांग्रेस की हीना कनौजिया (1,823 वोट) और मनसे की प्रियंका कनौजिया (1,416 वोट) प्रमुख थीं। इस वार्ड में कुल 26,293 मतदान हुए थे, जिसमें 527 मतदाताओं ने 'नोटा' (NOTA) का विकल्प चुना था।

वार्ड नं 198

'ठाकरे' परिवार की प्रतिष्ठा

वॉर्ड क्रमांक 198 में इस बार का मुकाबला 'ठाकरे' और 'महायुति' के बीच बेहद कड़ा होने की संभावना है। शिवसेना (UBT) ने इस वॉर्ड से अपनी भरोसेमंद उम्मीदवार अबोली खाडये को चुनावी मैदान में उतारा है। अबोली खाडये को स्थानीय मराठी भाषी मतदाताओं और शिवसेना के पारंपरिक कैडर का मजबूत समर्थन प्राप्त है। वहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना (शिंदे गुट) ने यहाँ से वंदना गवळी को टिकट दिया है। वरली निर्वाचन क्षेत्र आदित्य ठाकरे का गढ़ होने के कारण, यहाँ की हर सीट पर जीत-हार 'ठाकरे' परिवार की प्रतिष्ठा से जुड़ी हुई है। इस वॉर्ड में मुख्य रूप से कोलीवाड़ा क्षेत्र, पुराने चॉल और मध्यमवर्गीय आवासीय परिसर शामिल हैं। यहाँ कोस्टल रोड परियोजना के कारण मछुआरों को होने वाली समस्याएं, बीडीडी चॉल के पुनर्विकास में तेजी और बुनियादी नागरिक सुविधाएं जैसे स्वच्छता और पानी प्रमुख चुनावी मुद्दे हैं। महायुति की उम्मीदवार को सरकारी योजनाओं और शिंदे गुट की नई आक्रामकता का लाभ मिल सकता है, जबकि अबोली खाडये के पास शिवसेना का पारंपरिक 'मराठी मानुष' वाला आधार है।

2017 के चुनावी आंकड़े

साल 2017 के बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव में वार्ड नंबर 198 (जी-दक्षिण वार्ड) से शिवसेना की उम्मीदवार और पूर्व मेयर स्नेहल सूर्यकांत आंबेकर ने शानदार जीत दर्ज की थी। उन्होंने कुल 13,614 मत (51.99%) प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के विनायक राम म्हशिलकर को 5,526 वोटों के बड़े अंतर से हराया था। म्हशिलकर को कुल 8,088 वोट मिले थे। इस वार्ड में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (A) के कुणाल रमेश कदम 1,720 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार संजय शंकर कांबले ने 1,598 वोट हासिल किए थे। इस चुनाव में कुल 26,181 मतदान हुए थे, जिसमें 819 मतदाताओं ने 'नोटा' (NOTA) का विकल्प चुना था।